



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक



वर्ष -12 अंक - 166

प्रयागराज, शुक्रवार 16 अक्टूबर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रूपये

दावा- चीन की मदद से मिसाइल बना रहे हूती विद्रोही,डिजाइन ईरान में तैयार हुआ,इजराइल को भी बना सकते हैं निशाना

यमन। यमन के हूती विद्रोही चीन से मंगाए गए पुर्जों की मदद से नई बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ब्रिटेन की संस्था कॉम्प्लेक्ट आर्मामेंट रिसर्च (सीएआर) की बुधवार को जारी रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, विद्रोही ईरान में डिजाइन हुई ख़ैबर शिकन मिसाइल जैसी मिसाइल तैयार करना चाहते हैं, जिसकी मारक क्षमता करीब 1500 किलोमीटर है। अगर हूती ऐसा हथियार बनाने में सफल होते हैं, तो वे सऊदी अरब के अलावा इजराइल को भी ज्यादा सटीक तरीके से निशाना बना सकते हैं। हथियार बनाने के लिए जरूरी सामान जुटा रहे हूती-रिपोर्ट के मुताबिक, यमन के अधिकारियों ने जुलाई में चीन से भेजे गए दो संदिग्ध सामानों की खेप पकड़ी थी। इनमें मिसाइल बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई अहम पुर्जे मिले। पकड़ी गई खेप चीन से भेजी गई थी। इसे यमन के होदेइदा बंदरगाह पहुंचाया जाना था। इजराइली



अधिकारियों का कहना है कि इस बंदरगाह का इस्तेमाल ईरान हथियारों की सफाई के लिए करता रहा है। पकड़ी गई खेप में क्या-क्या मिला? रिपोर्ट तैयार करने

था। इसका इस्तेमाल मिसाइल की गर्मी से बचाने वाली परत बनाने में होता है। तेज रफ्तार से उड़ते समय मिसाइल का बाहरी हिस्सा बहुत गर्म हो जाता है। यह परत उसे उस गर्मी से बचाती है। हथियों की हथियार बनाने की क्षमता पहले से ज्यादा-हूती करीब दो दशक पहले यमन में एक विद्रोही संगठन के तौर पर उभरे थे।

शुरुआत में उनके पास यमन की सेना से हासिल सोवियत दौर के और उत्तर कोरिया में बने हथियार थे। समय के साथ उन्हें ज्यादा आधुनिक हथियार और तकनीक मिलने लगी। सऊदी अरब के साथ मौजूदा संघर्ष में हूती बैलिस्टिक मिसाइलों और लंबी दूरी तक उड़ने वाले ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। वे पहले भी इजराइल की ओर मिसाइलें और ड्रोन दाग चुके हैं। दोनों देशों के बीच दूरी

1,600 किलोमीटर से ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब हूती सिर्फ तैयार हथियारों की तस्करी पर निर्भर नहीं रहना चाहते। वे अलग-अलग देशों से पुर्जे मंगाकर अपने नियंत्रण वाले इलाकों में हथियार जोड़ने और बनाने की क्षमता बढ़ा रहे हैं। ईरान पर निर्भरता घटाने की कोशिश क्यों? ईरान लंबे समय से हथियों को हथियार बनाने की तकनीक, डिजाइन और जरूरी पुर्जे देता रहा है।

लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक, अब हूती चीन समेत दूसरे देशों से भी हथियार बनाने का सामान जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिकी थिंक टैंक फाउंडेशन फॉर डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसीज के ईरान कार्यक्रम के वरिष्ठ निदेशक बेहनाम बेन तालेबू ने कहा कि हथियार बनाने के लिए कई जगहों से सामान मिलना किसी संगठन के लिए फायदेमंद होता है। उनके मुताबिक, ईरान पर रोक के बीच हूती सामान जुटाने के दूसरे रास्ते तलाश रहे हैं।

यूरोप ने रूस से 30 लाख करोड़ का तेल-गैस खरीदा:इस साल भी इम्पोर्ट जारी, 2025 में भारत की रिफाइनरी पर प्रतिबंध लगाए थे

नयी दिल्ली/मॉस्को। रूस से तेल खरीदने पर भारत पर दबाव बनाने वाला यूरोप खुद भी उससे बड़े पैमाने पर तेल-गैस खरीद रहा है। 2022 से अब तक यूरोपीय देशों ने रूस से करीब 30 लाख करोड़ रुपए का ईंधन खरीदा है। दूसरी ओर, यूरोपीय संघ ने जुलाई 2025 में गुजरात स्थित नायरा एनर्जी की रिफाइनरी पर प्रतिबंध लगाए थे, जिसमें रूस की तेल कंपनी रॉसनेफ्ट की हिस्सेदारी रही है।

2026 के शुरूआती नौ महीनों में भी करीब 2.03 लाख करोड़ रुपए की खरीद हुई। रूस के मुताबिक, जिन रास्तों से रूसी ऊर्जा खरीदने की छूट है, उनके जरिए यूरोप को तेल और गैस की सफाई जारी है। रूस से ईंधन छूट के नियम अलग-अलग यूरोप के सभी देशों की स्थिति एक जैसी नहीं है। हंगरी और स्लोवाकिया को रूस से पाइपलाइन के जरिए तेल खरीदने की विशेष छूट मिली है। कई यूरोपीय कंपनियों के



रूस के साथ पहले से कई ऊर्जा समझौते हैं। अमेरिका ने भी कुछ हालात में रूसी ईंधन खरीदने के लिए अस्थायी छूट दी है। वहीं, भारत की रूस से तेल खरीद को लेकर अमेरिकी प्रशासन अतिरिक्त आयात शुल्क लगा चुका है। ऐसे में सवाल उठता है कि भारत पर दबाव और यूरोपीय देशों को मिली छूट के नियम अलग-अलग क्यों हैं। तेल-गैस महंगी हो सकती है-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यूरोप में गैस और बिजली की कीमतें बढ़ी थीं। रिपोर्ट में गैस की कीमतों में 46फीसदी और बिजली की कीमतों में 21फीसदी तक बढ़ोतरी

का दावा किया गया है। रूस से सफाई पूरी तरह बंद होने पर कीमते फिर बढ़ सकती हैं। इससे आम लोगों के बिल और कंपनियों की लागत बढ़ने का डर है। 2026 में भी रूस से गैस खरीद बढ़ी-यूरोपीय संघ की ऊर्जा नियामक एजेंसी के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से मई 2026 के बीच यूरोप में रूस से पाइपलाइन के जरिए आने वाली गैस की खरीद पिछले

साल की इसी अवधि के मुकाबले 7फीसदी बढ़ी। रूस से तरल प्राकृतिक गैस यानी एलएनजी की खरीद भी 11फीसदी बढ़ी। इससे पता चलता है कि प्रतिबंधों के बावजूद यूरोप की रूस पर ऊर्जा निर्भरता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। दूसरे देशों से गैस खरीदना भी आसान नहीं-यूरोप अमेरिका और दूसरे देशों से भी गैस खरीदता है। लेकिन दूसरे देशों से गैस मंगाने के लिए अलग इंतजाम और खर्च की जरूरत

होती है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से भी ऊर्जा सफाई को लेकर चिंता बनी हुई है। ऐसे में रूस से खरीद तुरंत बंद करना यूरोप के लिए आसान नहीं है। पहले से हुए समझौते भी बड़ी वजह-यूरोपीय कंपनियों ने रूस के साथ लंबे समय के लिए गैस खरीदने के समझौते कर रखे हैं। यूरोप की ऊर्जा नियामक एजेंसी के मुताबिक, रूसी एलएनजी खरीदने के लिए कुछ कंपनियों के सालाना 20 से 32 अरब घनमीटर तक के अनुबंध हैं। इन समझौतों और दूसरी जगह से गैस लाने के इंतजाम में समय लगने के कारण आयात बंद करना मुश्किल है। रूस की एलएनजी का सबसे बड़ा खरीदार ईयू है-ऊर्जा पर नजर रखने वाली संस्था सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के मुताबिक, दिसंबर 2022 से अगस्त 2026 के बीच रूस से होने वाले एलएनजी निर्यात में यूरोपीय संघ (ईयू) की हिस्सेदारी 49फीसदी थी।

अमेरिका के मंदिर में नरसंहार की साजिश नाकाम, आरोपी गिरफ्तार:नवरात्रि के पहले दिन हमला करने पहुंचा था, लेकिन राइफल जाम हुई

इलिनॉय। अमेरिका के इलिनॉय में नवरात्रि के दौरान एक हिंदू मंदिर पर हमला करने की साजिश रचने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 119 साल के अलेक्जेंड्रोस पापोराकिस पर आरोप है कि वह 11 अक्टूबर को भारतीय मूल के लोगों की सामूहिक हत्या करना चाहता था। पापोराकिस अपने घर से करीब 65 किमी गाड़ी चलाकर ऑरोरा में श्री वेकटेश्वर स्वामी (बालाजी) मंदिर पहुंचा था। इस मंदिर में छुट्टी के दिन 3,000 से ज्यादा श्रद्धालु आते हैं। पापोराकिस अपने साथ राइफल और सैकड़ों गोलियां लेकर आया था, लेकिन राइफल जाम होने की वजह से वह ऐसा नहीं कर पाया। इसके बाद उसे वहां से भागना पड़ा। दोस्तों से भारतीयों को मार डालने की बातें करता था-घर लौटने के बाद पापोराकिस ने अपने एक दोस्त को मैसेज कर इसकी जानकारी दी। उसने हथियार की तस्वीरें और अपनी एक तस्वीर भी भेजी। आरोपी का मैसेज देखकर उसके दोस्त ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने उसी दिन आरोपी



को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को उसके घर में मिली एक राइफल पर ऐसा निशान भी था, जो गोरी नस्ल को दूसरों से बेहतर मानने वाले चरमपंथियों से जुड़ा है। आरोपी अपने सहकर्मियों के सामने भारतीयों के खिलाफ नस्लभेदी बातें करता था। वह उन्हें मार डालने की भी बातें करता था। उसने दोस्तों से यह भी कहा था कि 11 अक्टूबर का दिन खास होने वाला है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक युवक भारतीय मूल के लोगों से नफरत करता था। उसके घर से राइफल, कई भरी हुई मंगजीन और 300 राउंड गोलियां मिली हैं। इंटरनेट पर राइफल ठीक करने का तरीका खोजा-पुलिस के

मुताबिक पापोराकिस ने इंटरनेट पर राइफल ठीक करने का तरीका भी खोजा। आरोपी पर आतंकवादी धमकी देने और गैरकानूनी तरीके से हथियार रखने के आरोप लगाए गए हैं। अदालत ने उसे हिरासत में रखने का आदेश दिया है। उसकी अगली पेशी 30 अक्टूबर को होगी। मामले की जांच में एफबीआई भी पुलिस की मदद कर रही है। शिकागो में भारतीय कॉन्सुलेट ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अमेरिकी पुलिस की तारीफ की है। कॉन्सुलेट ने कहा कि वह हिंदू धार्मिक स्थल पर हमले की साजिश के मामले पर नजर रख रहा है। भारत ने चिंता जताई, कहा-भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करे यूएस-घटना पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने चिंता जताई है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि साजिश में हिंदुओं और भारतीय मूल के लोगों को निशाना बनाने की बात बेहद चिंताजनक है। भारत ने अमेरिकी अधिकारियों से मामले की पूरी जांच करने और भारतीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

मस्क ने यूक्रेन में स्टारलिनक इंटरनेट की स्पीड घटाई,रूस के खिलाफ सेना के ऑपरेशन पर असर

कोवा। अमेरिकी अरबपति इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने यूक्रेन में स्टारलिनक इंटरनेट की स्पीड पर लिमिट लगा दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के सलाहकार सेरही बेस्केरुनोव ने बुधवार को बताया कि इस फैसले से रूस के खिलाफ लड़ रही यूक्रेनी सेना के कई ऑपरेशन पर असर पड़ा है। उनके मुताबिक, सेना को इस बदलाव की पहले से जानकारी नहीं दी गई थी। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने भी कनेक्टिविटी में रुकावट की पुष्टि की है। खास बात यह है कि मस्क यही स्टारलिनक सर्विस भारत में शुरू करना चाहते हैं। इसे लेकर हाल ही में उन्होंने भारत सरकार पर भेदभाव के आरोप लगाए थे। हालांकि सरकार ने आरोपों को नकार दिया है। रूस के ड्रोन रोकने में भी काम आता है स्टारलिनक-स्टारलिनक अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट देता है। यूक्रेनी सेना इसका इस्तेमाल सैनिकों के बीच संपर्क



के मुताबिक अब 160 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से चलने पर स्टारलिनक का इंटरनेट धीमा हो रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि यह फैसला मौजूदा राजनीतिक हालात से जुड़ा हो सकता है। हालांकि उन्होंने इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। बीबीसी ने यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि इंटरनेट की रफ्तार धीमी होने से सेना के सामान पहुंचाने, ड्रोन चलाने और हमले से जुड़े मिशनों में परेशानी आ रही है। पोलैंड ने मस्क से पूछा- क्या आप राजनीति कर रहे हैं-पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की ने मस्क से सवाल किया कि क्या वे अपने प्रोडक्ट के जरिए राजनीति कर रहे हैं। पोलैंड यूक्रेन की ओर से स्टारलिनक सेवा का खर्च उठाता है। मस्क ने इस पर तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। स्पेसएक्स ने भी इस मामले पर बयान नहीं दिया। मस्क अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी सहयोगी हैं।

राजनीति कर रहे हैं-पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की ने मस्क से सवाल किया कि क्या वे अपने प्रोडक्ट के जरिए राजनीति कर रहे हैं। पोलैंड यूक्रेन की ओर से स्टारलिनक सेवा का खर्च उठाता है। मस्क ने इस पर तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। स्पेसएक्स ने भी इस मामले पर बयान नहीं दिया। मस्क अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी सहयोगी हैं।

जर्मनी के बोखुम में आग से 3 भारतीयों की हुई मौत,हत्या साल का रोमानियाई गिरफ्तार

बर्लिन। जर्मनी के बोखुम शहर में एक रिहायशी इमारत में आग लगने से 3 भारतीयों की मौत हो गई। मृतकों में 25 और

पलैंट से तीनों के शव मिले। सीढ़ियों से फैंली आग, लोग नीचे नहीं उतर पाए-जर्मन अखबार 'बिल्ड' के मुताबिक,



27 साल की दो महिलाएं और 26 साल का एक युवक शामिल हैं। हादसे में 5 अन्य लोग घुएं की चपेट में आ गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हत्या के शक में 41 साल के एक रोमानियाई नागरिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस आगजनी की आशंका की भी जांच कर रही है। आग मंगलवार तड़के करीब 4:15 बजे बोखुम के होफस्टेड इलाके की एक बहुमंजिला इमारत में लगी। जब तक दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे, आग काफी फैल चुकी थी। बाद में दूसरी मंजिल के एक

पड़ोसियों ने बताया कि इमारत के गलियारे में रखी बच्चों की कुछ गाड़ियों में आग लगी थी। इसके बाद आग लकड़ी की सीढ़ियों तक फैल गई और बाहर निकलने का रास्ता बंद हो गया। हालांकि, आग लगने की इस वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दमकलकर्मीयों ने दो लोगों को हाइड्रोलिक सीढ़ी और दो अन्य को पोर्टेबल सीढ़ियों की मदद से बाहर निकाला। एक अन्य व्यक्ति सुरक्षा के लिए लगाए गए एयर वृशान पर कूदकर बाहर आया। दमकल विभाग के प्रवक्ता के मुताबिक,

अब जांच कर रही है कि उस विवाद का आग लगने की घटना से कोई संबंध था या नहीं। तकनीकी खराबी से आग लगने की आशंका खारिज-जांचकर्ताओं ने आग लगने की वजह तकनीकी खराबी होने की आशंका खारिज कर दी है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि आग जानबूझकर लगाई गई थी या दुर्घटनावश लगी। पुलिस आग लगने की वजह, गिरफ्तार व्यक्ति की संभावित भूमिका और तीनों भारतीयों की मौत के हालात की जांच कर रही है।

से पहले पायलट ने पंखों पर बर्फ जमने की सूचना दी थी। छह सीटों वाला सिंगल-इंजन विमान केनोशा से मेनोमोनी जा रहा था। यह विमान रात करीब 10 बजे डेलोना टाउन में मिरर लेक स्टेट पार्क के पास जंगल में गिरा। हादसे के समय इलाके में बारिश हो रही थी और गरज-चमक वाला तूफान गुजर रहा था। पायलट ने 24,000 फीट ऊंचाई पर बर्फ जमने की जानकारी दी थी-नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के मुताबिक, पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को पंखों पर बर्फ जमने की जानकारी दी थी। उस समय पाइपर पीए-46 विमान 24,000 फीट यानी 7,315 मीटर की ऊंचाई पर उड़ रहा था। पायलट ने विमान को नीचे लाने

चुनाव से पहले ईरान पर हमला नहीं करना चाहते नेतन्याहू,बोले- तेहरान ने हमला किया तब भी विरोधी मुझे जिम्मेदार ठहराएंगे 10 दिन बाद चुनाव

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वह 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से पहले ईरान पर हमला नहीं करना चाहते। बुधवार को इजराइली आर्मी रेडियो से बातचीत में उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले ईरान पर हमला करना ठीक नहीं होगा। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान ने इजराइल पर हमला किया, तो उसे कड़ा जवाब दिया जाएगा। नेतन्याहू ने कहा कि अगर ईरान इजराइल पर मिसाइलें दागता है तो उनके विरोधी इसके लिए भी उन्हें ही जिम्मेदार ठहराएंगे। विपक्ष का आरोप है कि नेतन्याहू चुनाव से पहले ईरान के साथ लड़ाई शुरू कर सकते हैं। जून के बाद से ईरान और इजराइल के बीच सीधा हमला नहीं-अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले किए थे। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल और खाड़ी देशों पर हमले किए। जून के बाद से दोनों देशों के बीच सीधे हमले नहीं हुए हैं। नेतन्याहू ने कहा कि मिडिल-ईस्ट के कई देश इजराइल की सैन्य

कामयाबी के बाद उससे संपर्क कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि क्या इजराइल सऊदी अरब को हूती विद्रोहियों के हमलों से बचाने में मदद कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले एक हफ्ते में सऊदी अरब पर हथियों के हमले बढ़े हैं। शनिवार, 10 अक्टूबर को रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले में 13 लोगों की मौत हुई थी। 7 अक्टूबर के हमले के बाद भी सत्ता में लौट सकते हैं नेतन्याहू-टाइम्स ऑफ़ इजराइल के मुताबिक चुनाव से पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता में वापसी की संभावना बनी हुई है। 7 अक्टूबर 2023 को हमले के हमले में बड़ी संख्या में लोग मारे गए थे। इसे इजराइल की सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी नाकामी माना गया था। विपक्ष का आरोप है कि नेतन्याहू ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली और सुरक्षा में चूक के लिए सेना व अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया। हमले की जांच के लिए स्वतंत्र आयोग बनाने की मांग भी उठी, लेकिन इस पर विवाद बना रहा।

होर्मुज में बारूदी सुरंग से टकराकर जहाज डूबा,जग शुरू होने के बाद पहली बार ऐसा हुआ

तेहरान। होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री बारूदी सुरंग से टकराकर को एक मालवाहक जहाज डूब



गया। जहाज में 2500 कंटेनर हैं। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, टक्कर के बाद जहाज में आग लग गई थी। जंग शुरू होने के बाद यह पहली बार है, जब बारूदी सुरंग से टकराकर कोई जहाज डूबा है। रॉयटर्स के मुताबिक डूबने वाले जहाज का नाम जीएफएस प्राइड है। यह सिंगापुर के झंडे के तहत चल रहा था और इसमें एक बार में 2,824 कंटेनर ले जाने की क्षमता थी। जहाज का कामकाज यूएई की एक कंपनी के पास था। जहाज पर कितने लोग सवार

थे इसकी जानकारी नहीं मिली है। आईआरजीसी बोली- जहाज खतरनाक रास्ते से जा रहा था-

आईआरजीसी ने बुधवार को बताया कि जहाज होर्मुज के पास एक ऐसे रास्ते से गुजर रहा था, जिसे इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं थी और रास्ता खतरनाक था। ईरान पहले भी कई बार चेतावनी दे चुका है कि अगर कोई जहाज उसकी ओर से तय किए गए रास्ते से हटकर चलेगा, तो उसके परिणाम की जिम्मेदारी उसी की होगी। आईआरजीसी ने स्थानीय जहाजों और मछुआरों को सावधान रहने को कहा है। उसने समुद्र में तैर रहे कंटेनरों से दूर रहने की अपील की है। ये कंटेनर

आईआरजीसी ने बुधवार को बताया कि जहाज होर्मुज के पास एक ऐसे रास्ते से गुजर रहा था, जिसे इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं थी और रास्ता खतरनाक था। ईरान पहले भी कई बार चेतावनी दे चुका है कि अगर कोई जहाज उसकी ओर से तय किए गए रास्ते से हटकर चलेगा, तो उसके परिणाम की जिम्मेदारी उसी की होगी। आईआरजीसी ने स्थानीय जहाजों और मछुआरों को सावधान रहने को कहा है। उसने समुद्र में तैर रहे कंटेनरों से दूर रहने की अपील की है। ये कंटेनर

दूसरे जहाजों के लिए खतरा बन सकते हैं और समुद्री रास्ते पर आवाजाही में रुकावट डाल सकते हैं। होर्मुज स्ट्रेट फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है। यह दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक है। यहां से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और दूसरे सामान ले जाने वाले जहाज गुजरते हैं। इस इलाके में जहाजों की सुरक्षा को लेकर पहले से चिंता बनी हुई है। होर्मुज में 2 सिंगापुर के जहाजों पर हमला, एक डूबा-होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे सिंगापुर में रजिस्टर्ड दो कंटेनर जहाजों पर अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ। इससे एक जहाज डूब गया, जबकि दूसरा क्षतिग्रस्त हो गया। सिंगापुर की मैरीटाइम एंड पोर्ट अथॉरिटी (एमपीए) ने 14 अक्टूबर को यह जानकारी दी।

एमपीए के मुताबिक, जीएफएस प्राइड पर 13 अक्टूबर को हमला हुआ था। आग लगने के बाद जहाज डूब गया। उसके सभी 21 क्रू मंबर सुरक्षित बचा लिए गए।

14 अक्टूबर को जीएफएस गीसेले पर हमला हुआ। जहाज का ढांचा क्षतिग्रस्त हुआ, लेकिन वह खुद चलते हुए सुरक्षित जगह पहुंच गया। उस पर सवार सभी 22 क्रू मंबर सुरक्षित हैं। एमपीए ने बताया कि दोनों जहाजों पर सिंगापुर का कोई नागरिक क्रू मंबर नहीं था।

स्नातक चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा के जिला प्रभारी ने की बैठक, स्नातक चुनाव में अधिक मतदान के लिए भाजपा ने बनाई रणनीति जिला प्रभारी ने ली बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 23 अक्टूबर को होने

जिला कार्यालय में हुई बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी



वाले स्नातक एमएलसी के चुनाव भारतीय जनता पार्टी के वर्तमान एमएलसी व प्रत्याशी के पक्ष में अधिक मतदान हो इसके लिए जिला प्रभारी ने जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की है।

निरज सिंह ने कार्यकर्ताओं को बताया कि जितने भी मतदाता बने हैं उसमें 80फीसदी मतदाता भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के द्वारा बनाए गए हैं इसलिए उन मतदाताओं को बूथ तक ले जाने के लिए

कार्यकर्ता प्रयासरत रहे और विपक्षी मतदाताओं को भ्रमित ना पाए इसके लिए भी सतर्क रहें बैठक में प्रत्याशी ई.अवनीश सिंह भी मौजूद रहे उन्होंने आश्वासन दिया कि जिस प्रकार से उन्होंने अपने कार्यकाल को निष्ठा ईमानदारी से पूरा किया है उसी प्रकार इस बार भी वह पूर्ण रूप से प्रयास करते रहेंगे बैठक में जिला अध्यक्ष बुद्धिलाल पासो क्षेत्रीय मंत्री विकास सिंह विधायक अशोक कोरी पूर्व विधायक, एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह, जिला सरकारी बैंक के अध्यक्ष विवेक सिंह, इं. विजय रस्तोगी, पूर्व जिला अध्यक्ष रामदेव पाल, पूर्व जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा, क्षेत्रीय मंत्री अंजली मौर्य, जिला महामंत्री दिनेश त्रिपाठी सहित पदाधिकारी मौजूद रहे।

हॉकी वाली सरपंच' नीरू यादव को आचार्य द्विवेदी युग प्रेरक सम्मान, एशिया की पहली महिला लोको पायलट सुरेखा यादव को लोक सेवा सम्मान वरिष्ठ पत्रकार शंभुनाथ शुक्ल को प्रभाष जोशी स्मृति पत्रकारिता सम्मान, 13 नवंबर को आयोजित पुस्तक मेले में प्रदान किए जाएंगे सभी सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गांव की तस्वीर



बदलने वाली 'हॉकी वाली सरपंच' नीरू यादव, एशिया की पहली महिला लोको पायलट सुरेखा यादव और वरिष्ठ पत्रकार शंभुनाथ शुक्ल को इस वर्ष आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी स्मृति न्यास के प्रतिष्ठित



संयोजक गौरव अवस्थी ने बताया कि आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ब्रिटिश शासन काल में आचार्य द्विवेदी भी अपने गांव दौलतपुर के सरपंच रहे और महात्मा गांधी के आह्वान से बहुत वर्ष पहले 'स्वच्छ ग्राम' का आदर्श प्रस्तुत किया था। उनके इसी पक्ष को याद करते हुए देश की चर्चित सरपंच नीरू यादव को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। नीरू यादव ने सरपंच के रूप में अपने गांव को आदर्श रूप देने के साथ महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय काम किया है। वह कई बार संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं और अंतरराष्ट्रीय



मेला संयोजक करुणा शंकर मिश्र ने बताया कि शिवानंद मिश्र 'लाले' सम्मान इस वर्ष जनपद की इंटरमीडिएट टॉपर छात्रा

पंजाबी लेखक द्वारका भारती होंगे समारोह के मुख्य अतिथि

सम्मान' दिया जाएगा। यह सम्मान उन्हें 13 नवंबर को फीरोज़ गांधी कॉलेज के मैदान में आयोजित होने जा रहे आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी स्मृति पुस्तक मेले के औपचारिक उद्घाटन एवं सम्मान समारोह में प्रदान किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि पंजाबी लेखक द्वारका भारती होंगे। इस अवसर

में पंजाबी महिला सशक्तीकरण की आवाज उठाती रही हैं। सुरेखा यादव को लोक सेवा सम्मान-आचार्य द्विवेदी राष्ट्रीय स्मारक समिति के अध्यक्ष विनोद शुक्ल ने बताया कि डॉ. राम मनोहर त्रिपाठी लोक सेवा सम्मान एशिया की पहली महिला लोको पायलट सुरेखा यादव को प्रदान किया जाएगा। करीब तीन दशक

नंदिनी गुप्ता को दिया जाएगा। वीणा पाणि इंटर कॉलेज, मलिकमऊ की छात्रा नंदिनी ने इंटरमीडिएट परीक्षा में 500 में से 469 अंक हासिल कर जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। उन्होंने बताया कि सभी सम्मानित व्यक्तियों को श्रीफल, अंगवस्त्र और सम्मान राशि प्रदान की जाएगी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं पंजीयन के लिए विशेष शिविर आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बुधवार को सहायक श्रमायुक्त उमेश कुमार ने बताया

आयोजित किया गया। शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं कर्मचारी राज्य बीमा निगम के

विद्यालय योजना, गंभीर बीमारी सहायता योजना तथा निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता



कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन के निर्देशानुसार श्रम विभाग एवं चिकित्सा विभाग द्वारा श्रमिकों

चिकित्साधिकारियों और उनकी टीम द्वारा लगभग 54 श्रमिकों का ब्लड प्रेशर (बीपी), शुगर, बीएमआई सहित अन्य स्वास्थ्य

सहायता योजना सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने श्रमिकों को पात्रतानुसार योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान योजनाओं से संबंधित पंपलेट भी वितरित किए गए तथा उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं के लिए आवेदन करने हेतु श्रमिकों को जागरूक किया गया। शिविर में श्रम प्रवर्तन अधिकारी शिव शंकर पाल, शशि सिंह, मान सिंह कुशवाहा, अमर बहादुर मौर्य, कंप्यूटर ऑपरेटर मो. आसिफ खान तथा स्वास्थ्य विभाग से डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. विनोद, डॉ. शिवम सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।



के हितार्थ संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रचार-प्रसार, पंजीयन एवं स्वास्थ्य परीक्षण के लिए राणा बेनी माधव ऑडिटोरियम, रायबरेली में संयुक्त रूप से विशेष शिविर

शिव शंकर पाल ने श्रमिकों को विभाग द्वारा संचालित कन्या विवाह सहायता योजना, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना, अटल आवासीय

शिक्षक एवं स्नातक एमएलसी चुनावों की तैयारियों को लेकर भाजपा नोएडा महानगर की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

जिला प्रभारी डी.के. शर्मा ने कार्यकर्ताओं से मतदाता संपर्क अभियान तेज करने और चुनाव की तैयारियों में पूरी सक्रियता से जुटने का किया आह्वान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक



महानगर अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नोएडा के जिला प्रभारी डी.के. शर्मा उपस्थित रहे। बैठक में आगामी शिक्षक एवं

स्तर तक संगठनात्मक समन्वय मजबूत करने, मतदाता संपर्क अभियान को गति देने, मतदाता सूची का सत्यापन करने तथा नए मतदाताओं को जोड़ने और उनसे संपर्क स्थापित करने पर

आगामी चुनावों के दृष्टिगत क्षेत्रवार जिम्मेदारियों वें निर्धारण, मतदाता संपर्क अभियान, मतदाता सूची के सत्यापन, बूथ स्तर पर समन्वय और चुनावी रणनीति को प्रभावी

महानगर अध्यक्ष महेश चौहान बोले-संगठन की एकजुटता, समन्वय और कार्यकर्ताओं की सक्रियता से मिलेगी सफलता

स्नातक विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों की तैयारियों, संगठनात्मक रणनीति, मतदाता संपर्क अभियान और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी डी.के. शर्मा जी ने कहा कि शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद चुनाव संगठन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन चुनावों में सफलता प्राप्त करने के लिए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को अभी से पूरी गंभीरता, सक्रियता और समर्पण के साथ जुटना होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने क्षेत्र के मतदाताओं से निरंतर संपर्क बनाए रखे तथा यह सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी प्रयास करे कि मतदाता मतदान के दिन समय से अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मतदाधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि शिक्षक एवं स्नातक वर्ग समाज का प्रबुद्ध और जागरूक वर्ग है। ऐसे में कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार

विशेष जोर दिया। डी.के. शर्मा ने बताया कि 16 अक्टूबर 2026 को दोपहर 2 बजे सुंदरदीप कॉलेज, डासना (गाजियाबाद) में शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं की एक बड़ी बैठक आयोजित होगी, जिसे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी संबोधित करेंगे। उन्होंने नोएडा महानगर वें पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अधिक संख्या में शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयास करें। महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि भाजपा नोएडा महानगर आगामी शिक्षक एवं स्नातक एमएलसी चुनावों की तैयारियों को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। संगठन का प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ निभाए। उन्होंने कहा कि चुनाव में बेहतर परिणाम के लिए कार्यकर्ताओं के बीच आपसी समन्वय, नियमित जनसंपर्क और संगठनात्मक अभियानों की प्रभावी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

ढंग से लागू करने पर भी चर्चा की गई। उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने चुनाव की तैयारियों में पूरी सक्रियता के साथ जुटने और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। बैठक में जिला महामंत्री अमित त्यागी, चंदगीराम यादव, ओमवीर अवाना, चुनाव संयोजक सुशील शर्मा, युद्धवीर चौहान, संजय बाली, गिरिजा सिंह, डिपल आनंद, महेश अवाना, राजेंद्र अवाना, उमेश त्यागी, अशोक मिश्रा, राजकुमार बंसल, पंकज झा, मीनाक्षी चौहान, प्रज्ञा शर्मा, पुष्पा रावत, मुक्तानंद प्रधान, रामनिवास यादव, अजय वाल्मीकि, भूपेश चौधरी, उमेश यादव, नीरज चौधरी, सत्यनारायण महावर, प्रदीप चौहान, रामकिशन यादव, दीनबंधु कुमार, मनोज चौहान, एस पी चमोली, रुचि चौहान, सुनीता शर्मा, अनुभूति टंडन, दीपाली दीक्षित, रोशनी सिंह, दीपक शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, पी.सी. पंचोली, एड. रीना गुप्ता, विनोद पारीक, प्रवीण झा, गोपाल गौड़, सहित समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के तहत डॉ. अंजली यादव एमबीबीएस को मिला 'योगिनी सम्मान-2026'

चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए हुई सम्मानित, गरीबों और जरूरतमंदों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराना लक्ष्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) हरदुआ/वाराणसी। नारी सुरक्षा,

(एमबीबीएस) को भी सम्मानित किया गया। डॉ. अंजली यादव

प्रत्येक मरीज के प्रति समान संवेदना, सम्मान और सहयोग



नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से पूर्वोक्त पोस्ट फाउंडेशन उत्तर प्रदेश की ओर से नवरात्रि के पान पर्व पर योगिनी सम्मान-2026 समारोह का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान की भावना के अनुरूप आयोजित इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित कर उनके योगदान को सराहा गया। सारनाथ स्थित केंद्रीय उच्च निष्कृति शिक्षा संस्थान में बुधवार दोपहर 12 बजे आयोजित मिशन शक्ति अभियान की भावना के अनुरूप आयोजित इस समारोह में प्रशासनिक सेवा, पुलिस, शिक्षा, चिकित्सा, राजनीति, अभियंत्रण, जनसेवा, अधिवक्ता, पत्रकारिता, खेल और सामाजिक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मान प्रदान किया गया। इसी क्रम में चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में समर्पण और जनसेवा की भावना के साथ कार्य कर रही डॉ. अंजली यादव

वर्तमान में वाराणसी के दुर्गाकुंड स्थित स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा सेवा प्रदान कर रही हैं। मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने और जरूरतमंदों की सहायता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। समारोह के आयोजकों ने कहा कि महिलाओं की उपलब्धियों को पहचान दिलाना और उन्हें प्रोत्साहित करना ही ऐसे आयोजनों का प्रमुख उद्देश्य है। इससे समाज की अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। सम्मान प्राप्त करने पर डॉ. अंजली यादव ने कहा कि चिकित्सा सेवा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का माध्यम है। दुर्गाकुंड स्थित स्वास्थ्य केंद्र में अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए उनका प्रयास रहता है कि प्रत्येक गरीब, जरूरतमंद और पीड़ित मरीज को बेहतर इलाज मिल सके। उन्होंने कहा कि डॉक्टर के रूप में महिला हो या पुरुष,

का भाव रखना आवश्यक है। जरूरतमंदों को उपचार उपलब्ध कराना और उनके दुःख-दर्द को समझना ही चिकित्सा सेवा का सबसे बड़ा उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं का सम्मान और उनका सशक्तीकरण तभी सार्थक होगा, जब उन्हें समान अवसर, सुरक्षा और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। ऐसे सम्मान समारोह महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पूर्वोक्त पोस्ट फाउंडेशन उत्तर प्रदेश की ओर से आयोजित इस समारोह में चिकित्सा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक योगदान देने वाली अन्य महिलाओं और समाजसेवियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से नारी शक्ति के सम्मान, महिला सशक्तीकरण और समाज निर्माण में महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

यूनानी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने लगाया फ्री मेडिकल कैंप, 150 से ज्यादा मरीजों की जांच की और फ्री दवाइयां बांटी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। स्टेट यूनानी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, प्रयागराज



ने शगुन पैलेस में फ्री मेडिकल कैंप लगाया। इस कैंप में 150 से ज्यादा मरीजों ने रजिस्टर किया, जहां कॉलेज के एक्सपर्ट डॉक्टरों ने मरीजों की जांच की, जरूरी मेडिकल सलाह दी और उन्हें फ्री दवाइयां दीं। कैंप सुबह 10 बजे शुरू हुआ। इस मौके पर स्टेट यूनानी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, प्रयागराज के प्रिंसिपल डॉ. वसीम अहमद ने कैंप का दौरा किया और एडमिनिस्ट्रेटर, डॉक्टरों और मरीजों से मिले। उन्होंने मरीजों को भरोसा दिलाया कि स्टेट यूनानी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल हमेशा जनता को बेहतर मेडिकल सुविधाएं देने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि जनता हॉस्पिटल पहुंचकर उपलब्ध मेडिकल सुविधाओं का फायदा उठा सकती है। इसके अलावा, जनता को मेडिकल

इलाकों में ऐसे फ्री मेडिकल कैंप लगाए जाते रहेंगे। कैंप के सफल आयोजन में, डॉ. बिलास अहमद ने नोडल ऑफिसर के तौर पर अहम भूमिका निभाई और पूरे प्रोग्राम को ऑर्गनाइज और सुपरवाइज किया। उनके साथ, डॉ. सबा इमदाद, डॉ. इरशाद ने मरीजों की जांच, मेडिकल कंसल्टेशन में हिस्सा लिया। पीजी स्कॉलर में डॉ. जुबैर, डॉ. शाह आलम और डॉ. अखलाक अहमद डॉ. सलमान अहमद शामिल थे। दूसरे स्टाफ मुहम्मद मसूद आलम, शहनाज़, सैफी और चंद्रभान ने अपनी सर्विस दी। इस फ्री मेडिकल कैंप का मुख्य मकसद एक्सपर्ट डॉक्टरों द्वारा लोगों को उनके अपने इलाके में मेडिकल सर्विस देना, यूनानी दवा के बारे में जागरूकता पैदा करना और जरूरतमंदों को अच्छी मेडिकल सुविधाएं देना है।

स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत लखनऊ मण्डल के स्टेशनों पर जनसंवाद

(आधुनिक समाचार) लखनऊ। स्वच्छता पखवाड़ा - 2026 के अंतर्गत पूर्वोत्तर रेलवे,

का प्रदर्शन, थोक अपशिष्ट उत्पादकों की पहचान तथा अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाओं



लखनऊ मंडल द्वारा मंडल रेल प्रबंधक श्री गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर/ईएनएचएम श्री महेंद्र सिंह के निर्देशन में मंडल वें प्रमुख रेलवे स्टेशनों गोरखपुर, गोंडा, लखनऊ जं., ऐशबाग, बस्ती, खलीलाबाद, सीतापुर, मैलानी इत्यादि एवं अन्य रेलवे इकाइयों में गहन सफाई अभियान चलाकर विस्तृत सफाई कार्य कराया गया तथा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के तहत स्टेशनों पर जन संवाद, युवा जनसंवाद, स्वच्छता जागरूकता रैली, स्वच्छता के संबंध में यात्रियों का फ्रीडबैक लिया गया। एसएमडब्ल्यू नियम, 2026 के अनुपालन हेतु कर्मचारियों, ओबीएचएस, पेट्री स्टाफ, वेंडरों एवं ठेकेदारों को जागरूक किया गया। कचरे का चार श्रेणियों में पृथक्करण, जागरूकता सामग्री

का सत्यापन कर एसडब्ल्यूएम कार्य योजना अद्यतन की गई। इसी क्रम में ऐशबाग पॉलीक्लिनिक के चिकित्सकों द्वारा ऐशबाग कॉलोनी में 'Segregation of Collected Waste' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सफाई मित्रों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई तथा घर-घर से एकत्रित कूड़े का पृथक्करण कर एसडब्ल्यूएम रूल, 2026 के अनुसार नगर निगम के माध्यम से निस्तारण कराया गया। साथ ही लोगों को कचरा निस्तारण के संबंध में 'क्या करें, क्या न करें' की जानकारी देकर जागरूक किया गया। लखनऊ मण्डल द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छ, स्वस्थ एवं पर्यावरण अनुकूल रेलवे परिसर के निर्माण हेतु जागरूकता एवं स्वच्छता गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। इस आशय की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को दी।

अन्तर्राष्ट्रीय हंड्रेड बॉल्स टूर्नामेंट में उप कप्तान बने आलोक शर्मा

बल्लेबाज के रूप में 14 सदस्यीय भारतीय टीम में चयन। 17 से 20 अक्टूबर को नेपाल में होगा टूर्नामेंट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। देश और ऊंचाहार के लिए गौरव का क्षण। वर्तमान में एनटीपीसी ऊंचाहार में मैनेजर के पद पर कार्यरत, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और पूर्व ञ्च अधिकारी, भारतीय पैरा क्रिकेट टीम के कप्तान श्री आलोक शर्मा का चयन अंतरराष्ट्रीय हंड्रेड बॉल्स क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए हुआ है। एमेच्योर हंड्रेड क्रिकेट फंडेशन (इंडिया) द्वारा 10 अक्टूबर 2026 को जारी चयन पत्र के अनुसार, आलोक शर्मा को इटीएम इंडिया-ए की 14 सदस्यीय टीम में बल्लेबाज के रूप में शामिल करते हुए उप-कप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट नेपाल के

पोखरा में 17 से 20 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होगा। चयन उनके क्रिकेट कौशल, खेल के प्रति समर्पण और उत्कृष्ट प्रदर्शन को आधार बनाया गया है। उन्हें टूर्नामेंट से पहले टीम प्रबंधन द्वारा आयोजित ब्रीफिंग और प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं। इस उपलब्धि से एनटीपीसी ऊंचाहार परिवार, उनके समर्थकों और खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। एक तरफ वे राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा में अपना दायित्व निभा रहे हैं। अब सभी की नजरें पोखरा में उनके प्रदर्शन पर रहेंगी।

42वीं वाहिनी पीएसी, नैनी का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ संपन्न, खेलकूद प्रतियोगिता और बड़ा खाना का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अनुशासन तथा परस्पर सहयोग का स्थापना दिवस आज वाहिनी प्रयागराज। बुधवार को 42वीं



वाहिनी पीएसी नैनी, प्रयागराज के उद्देश्य से अंतर-वाहिनी खेलकूद प्रतियोगिताओं का परिसर में अत्यंत भव्य एवं आयोजन किया गया। इन



गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन सेनानायक राजेश कुमार श्रीवास्तव (आईपीएस) की गरिमामयी उपस्थिति एवं कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। स्थापना दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ वाहिनी स्थित क्वार्टर गार्ड पर पूर्ण विधि-विधान के साथ पूजन एवं हवन-अर्चन से किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में जवानों की सुख-समृद्धि, कल्याण तथा वाहिनी की उत्कृष्ट कार्य-गणाली की कामना की गई। हवन के पश्चात सेनानायक महोदय द्वारा वहां उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रसाद वितरित किया गया। अंतर-वाहिनी खेलकूद प्रतियोगिताओं का रोमांच-जवानों की मानसिक व शारीरिक दक्षता बढ़ाने, उनमें

प्रतियोगिताओं के अंतर्गत बैडमिंटन, क्रिकेट तथा वॉलीबॉल के मैच खेले गए, जिसमें जवानों ने अपनी अप्रतिम खेल भावना, उत्कृष्ट कौशल और उच्च स्तरीय अनुशासन का परिचय दिया। सामूहिकता का प्रतीक: 'बड़ा खाना'-स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में संध्या काल में वाहिनी में उपस्थित समस्त जवानों की सहभागिता एवं आत्मीयता के प्रतीक स्वरूप परंपरिक 'बड़ा खाना' (सहभोज) का आयोजन किया गया।

इस विशेष भोज में सेनानायक राजेश कुमार श्रीवास्तव (आईपीएस) सहित वाहिनी के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक साथ बैठकर भोजन किया और परस्पर मिलकर स्थापना दिवस की खुशियां साझा कीं।

अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन कर भावविभोर हुए 47 रेलकर्मी,धार्मिक यात्रा से मिली मानसिक शांति और नई ऊर्जा

(आधुनिक समाचार) अवलोकन किया और पवित्र लखनऊ। बुधवार को कर्मचारी सरयू नदी के तट पर स्थित



कल्याण की पहल के तहत पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल की ओर से गोरखपुर परिक्षेत्र के रेलकर्मियों के लिए एक दिवसीय अयोध्या धाम भ्रमण शिविर का आयोजन किया गया। कर्मचारी कल्याण निधि के अंतर्गत आयोजित इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक यात्रा में 47 रेलकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता के निर्देशन में आयोजित इस भ्रमण का उद्देश्य रेलकर्मियों को धार्मिक स्थलों से जोड़ने के साथ उनके दैनिक कार्यों के तनाव को कम करना और आपसी मेलजोल को बढ़ावा देना रहा। अयोध्या धाम पहुंचने पर रेलकर्मियों ने भव्य श्रीराम मंदिर में रामलला के दर्शन-पूजन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इसके बाद सभी ने प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर में मत्था टेककर आशीर्वाद लिया। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने लता चौक का भी

रामघाट पहुंचकर आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। सत्य के शांत तट और अयोध्या की धार्मिक आभा के बीच रेलकर्मियों को कुछ पल सुकून के बिताने का अवसर मिला। व्यस्त कार्यदिनचर्या से अलग इस यात्रा ने प्रतिभागियों को मानसिक शांति, नई ऊर्जा और आपसी संवाद का अवसर प्रदान किया। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने कहा कि रेलकर्मियों का कल्याण मंडल प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। ऐसे भ्रमण कार्यक्रम कर्मचारियों को धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने के साथ उनके सामाजिक तनाव को कम करने, सामाजिक जुड़ाव मजबूत करने और टीम भावना विकसित करने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हित में मंडल प्रशासन निरंतर प्रयास कर रहा है।

इस संबंध में जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को जानकारी दी।

अम्बेडकर कल्याण समिति सरुवावां के तत्वावधान में मनाया गया धम्म दीक्षा समारोह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज, अमेठी। बुधवार को डीआईजी) रहे। विशिष्ट अतिथि गण में रमाशंकर राम (आई टी



अम्बेडकर कल्याण समिति शाखा सरुवावां के बैनर तले आयोजित धम्म दीक्षा कार्यक्रम बहुत भव्य रूप से मनाया गया।कार्यक्रम की शुरुआत तथागत बुद्ध एवं डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के चित्र पर धूप-दीप,त्रिशरण -पंचशील से हुआ कार्यक्रम में भिक्खू संघ ने धम्म देशाना, वक्ताओं ने बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर एवं महापुरुषों के विचारों से अवगत कराया। बच्चियों, महिलाओं ने गीत के माध्यम से व्यक्ति एवं जीवन जीवन को का संदेश दिया।धम्म दीक्षा का कार्यक्रम पिछले लगभग 25 वर्षों से अनवरत समिति मना रही है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उदय प्रताप आई पी एस (पूर्व



संचार, डॉ राजकरन (प्राचार्य), धर्मेंद्र कुमार बौद्ध (जिला अध्यक्ष अ क समिति) रामफेर राव (सदस्य समन्वय समिति सुल्तानपुर) श्याम सुंदर जायसवाल, सुरेश बौद्ध

गुजरात में 'सरकारी सेवाएँ आपके द्वार' के तहत 'डाक चौपाल के लिए मोबाइल थिएटर वैन अभियान' का अहमदाबाद में हुआ शुभारंभ वित्तीय समावेशन, डिजिटल इंडिया और अंत्योदय में अहम भूमिका निभा रहा डाक विभाग, डाक चौपाल के माध्यम से होगा जन संवाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अहमदाबाद। भारतीय डाक विभाग द्वारा डाक सेवाओं के प्रति प्रभावी सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास'



जन-जागरूकता बढ़ाने, वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने तथा विभाग की विभिन्न नागरिक-केंद्रित सेवाओं को आमजन तक की सोच के साथ पूरा देश प्रगति और विकास के नए आयाम रच रहा है। सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की



पहुँचाने के उद्देश्य से डाक चौपाल के लिए मोबाइल थिएटर वैन अभियान का शुभारंभ 14 अक्टूबर को अहमदाबाद के नवरंगपुरा हेड पोस्ट ऑफिस में किया गया। इस अवसर पर अहमदाबाद पश्चिम लोकसभा

'डाक सेवा, जन सेवा': मोबाइल थिएटर वैन एवं 'डाक चौपाल' अभियान से गाँव-गाँव एवं जन-जन तक पहुँचेंगी भारतीय डाक की सेवाएँ

क्षेत्र के सांसद श्री दिनेशभाई मकवाना ने गुजरात परिमंडल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्री गणेश वी. सावबेश्वरकर एवं उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव संग डाक चौपाल का शुभारंभ किया और मोबाइल थिएटर वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सुकन्या समृद्धि योजना, डाक जीवन बीमा, ग्रामीण डाक जीवन बीमा के लाभार्थियों को पासबुक व पॉलिसी बॉन्ड भी प्रदान किए। निदेशक डाक सेवाएँ सुश्री अनुब्रता दास और अहमदाबाद सिटी मंडल के प्रवर अधीक्षक डाकघर श्री शिशिर कुमार भी मंचासी रहे। इस अवसर पर सांसद श्री दिनेशभाई मकवाना ने कहा कि डाक चौपाल के लिए मोबाइल थिएटर वैन अभियान डाक विभाग की विभिन्न सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को गाँव-गाँव एवं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में

साथ-साथ सरकार की तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं और इनके लाभों को भी लोगों तक पहुँचा रहा है। यह पहल 'सरकारी सेवाएँ आपके द्वार' के तहत विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जन-जागरूकता बढ़ाने और नागरिकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। गुजरात परिमंडल के चीफ पोस्टमास्टर जनरल श्री गणेश वी. सावबेश्वरकर ने कहा कि गुजरात परिमंडल के अंतर्गत डाक सेवाओं के विस्तार, आधुनिकीकरण और नागरिक-केंद्रित पहलों को आगे बढ़ाने में निरंतर नए कदम उठाये जा रहे हैं।

'डाक सेवा जन सेवा' के माध्यम से विभाग आमजन को परंपरिक डाक सेवाओं के साथ-साथ वित्तीय सशक्तिकरण व नागरिक केंद्रित सेवाएँ प्रदान करते हुए एक समर्पित सेवा केंद्र की भूमिका निभा रहा है। इस

वाणिज्य करअधिकारी, समाज सेवियों में राजू बौद्ध, हौसिला प्रसाद, दयाराम बौद्ध, डॉ जय भीम, शीतला प्रसाद दाढ़ी, हरिनाथ प्रधान, डॉ जय भीम,रमाशंकर यादव, श्यामा भारती (विधानसभा बामसेफ संयोजक अमेठी) किरण (शिक्षिका) रीता देवी,गीता बौद्ध (शिक्षिका),धनाऊ बौद्ध, रेखा बौद्ध,शीतला प्रसाद दाढ़ी, सुरेन्द्र अम्बेडकर, फूलचंद बौद्ध,ओम प्रकाश गौतम, शिवहर्ष बौद्ध, एडवोकेट चन्दन भीम, डॉ अनन्त भीम, महेश प्रसाद, मिश्री लाल, राकेश कुमार, रामनरेश, श्रीराम, राम अभिलाष, सिद्धनाथ, विक्रम

शिव धनुष तोड़ श्रीराम जी ने जीता स्वयंवर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा।बुधवार को श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित श्रीरामलीला मंचन के चौथे दिन मुख्य अतिथि



उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष कौण्टन विकास गुप्ता,महामंडलेश्वर स्वामी नवल किशोर दास जी महाराज,स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज,नोएडा महानगर संघचालक दिनेश गोयल,एनपी सिंह,कवि राजपाल सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ लीला का शुभारंभ हुआ।श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव डॉ.मुन्ना कुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया। दीप प्रज्वलन के पश्चात सीता जी के स्वयंवर में आये विभिन्न अतिथियों का राजा जनक द्वारा भव्य स्वागत किया जाता है और तत्पश्चात स्वयंवर हेतु शिव धनुष तोड़ने हेतु सभी अतिथि अपना प्रयास करते हैं परंतु राजा जनक देखते हैं कि रावण ,बाणासुर जैसे तमाम योद्धा आये लेकिन धनुष को हिला तक नहीं सके। यह देखकर जनक जी व्याकुल हो उठते हैं। इसके बाद जनक जी धनुष न टूटने पर विलाप कर कहते हैं कि लगता है अब पृथ्वी वीरों से खाली हो

श्रीराम को आदेश देते हैं की "उठहु राम भंजहु भववाणा। मेठहु तात जनक परितापा", अर्थात् 'हे राम! उठो, शिवजी का धनुष पर प्रत्युन्चा चढ़ाओ और राजा जनक का संताप दूर करो। भगवान राम द्वारा धनुष की प्रत्युन्चा चढ़ाते ही धनुष टूट जाता है, सभी जनकपुर वासियों में खुशी दौड़ जाती है सीता जी राम को वर माला डालती हैं। सुर-नर, मुनि सभी फूलों की वर्षा करते हैं। शिव धनुष के टूटने की बात सुनकर परशुराम जी आते हैं और जनक जी को कहते हैं, हे दुष्ट धनुष किसने तोड़ा है इसके बाद लक्ष्मण परशुराम का संवाद होता है। बाद में परशुराम जी को ज्ञात हो जाता है कि राम और कोई नहीं साक्षात विष्णु का अवतार हैं और वह क्षमा मांगते हुए कहते हैं।क्षमा के बाद परशुराम जी महेंद्र पर्वत पर लौट जाते हैं तत्पश्चात श्रीराम एवं सीता द्वारा एक दूसरे को वरमाला पहनाई गई। इसी के उप्रेती, दीपक अग्रवाल, बाबुराम शर्मा, दयानंद तिवारी सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

धार्मिक रामलीलाएं हमारी भारतीय संस्कृति और संस्कारों को पीढ़ी- दर -पीढ़ी ,जीवित रखने का काम करती हैं- डॉ पीयूष द्विवेदी सत्य की लड़ाई लड़कर ही विजय प्राप्त की जा सकती है, रामलीला हमें यही सिखाती है: आलोक द्विवेदी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। बुधवार को श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी द्वारा 10 वर्षों से शुरू की गई रामलीला



के चौथे दिन यानी बुधवार को मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद डॉ पीयूष द्विवेदी चैयरमैन उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल दिल्ली एनसीआर,अति विशिष्ट अतिथि आलोक द्विवेदी अध्यक्ष मीडिया क्लब नोएडा,विशेष उपस्थिति इंदु प्रकाश ओएसडी नोएडा प्राधिकरण, संजय जैन मुख्य अभियंता नोएडा विद्युत विभाग, संजीव बेदी आदि ने दीप जलाकर रामलीला का शुभारंभ कराया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विनोद त्यागी, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा राकेश शर्मा,

नरेश शर्मा, सुशील शर्मा, विनोद शर्मा, धर्मेंद्र गुप्ता, मनीष शर्मा, पंकज झा ,दिनेश भाटी ,डा एके त्यागी मौजूद रहे। इस अवसर के रूप में मौजूद आलोक द्विवेदी अध्यक्ष मीडिया क्लब ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तमराम ने सत्य की लड़ाई लड़कर जीत हासिल की और उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ा लेकिन वह सत्य से पीछे नहीं हटे। इस अवसर पर आए हुए अतिथियों का रामलीला आयोजन समिति के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल और महासचिव गिराज अग्रवाल और उनकी टीम ने स्वागत किया। इस अवसर पर चौथे दिन की रामलीला मंचन से पहले भगवान श्री राम जी की बारात यात्रा एवं डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर आयोजन समिति के चेयरमैन मनोज अग्रवाल,सीएम डी, प्रिया गोह, वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन, पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, महासचिव गिराज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, पं कृष्णा स्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता, गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव, अशोक गोयल, विकास बंसल ,संदीप अग्रवाल, सुशील कुमार सिंघ, पीयूष गोयल, कार्तिक मिश्रा, रामरतन शर्मा, डॉ योगेंद्र सिंह ,अरुण चौहान, सुतंज अग्रवाल, डॉक्टर श्वेता गोयल, शंभुम गर्ग, रमेश गोयल, शंभुनाथ मिश्रा आदि मौजूद थे।

श्री सैन मन्दिर के भामाशाह उदमीराम सैन निर्विरोध अध्यक्ष बने

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कोटपुतली। श्री सैन मंदिर विकास प्रबंधक एवं समाज उत्थान रजि. समिति के चुनाव संपन्न हुये। जिसमें उदमी राम सैन पूतली को सर्व सम्म्ती से निर्विरोध अध्यक्ष बनाया गया। मिटिंग की अध्यक्षता परगना प्रधान रामकिशन सैन कांसली ने की। श्री नारायणी सेना प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश सैन ने बताया कि रजिस्ट्रेशन समिति का कार्यकाल पूर्ण होने पर उदमीराम सैन (प्रधान) राकेश खडब (सचिव) एवं हव. बनारस लाल सैन (कोषाध्यक्ष) नियुक्त किया गया। मोके पर समाज ने माला व साफा पहनकर स्वागत अभिनंदन किया। और बधाई शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर



नव नियुक्त अध्यक्ष उदमी राम सैन ने समाज का आभार जताते हुए कहा कि समाज ने जिस विश्वास के साथ मुझे जिम्मेदारी

नव नियुक्त अध्यक्ष उदमी राम सैन ने समाज का आभार जताते हुए कहा कि समाज ने जिस विश्वास के साथ मुझे जिम्मेदारी

विधान परिषद निर्वाचन-2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सेक्टर व जौनल मजिस्ट्रेटों को दिया गया प्रशिक्षण

मतदान दिवस पर लगातार भ्रमणशील रहकर निर्वाचन प्रक्रिया पर नजर रखें सेक्टर व जौनल मजिस्ट्रेट-जिला निर्वाचन अधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) निर्धारित क्षेत्रों एवं मतदेय स्थलों का भ्रमण कर सभी आवश्यक



विधान परिषद निर्वाचन-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने

व्यवस्थाओं का निरीक्षण सुनिश्चित कर लें, ताकि मतदान के दौरान किसी प्रकार की

कैमरों के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था की गई है। उन्होंने निर्देशित किया कि मतदान से संबंधित सभी आवश्यक औपचारिकताएं समय से पूर्ण कराते हुए निर्धारित समय पर मतदान प्रारंभ कराया जाए तथा मतदान प्रक्रिया के विभिन्न चरणों, पोलिंग एजेंटों को प्रवेश पास जारी करने, उनकी उपस्थिति में मतपेटी तैयार करने तथा मतदान अभिकर्ताओं के बैठने की निर्धारित प्राथमिकता के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही निर्देशित किया गया कि पोलिंग एजेंट निर्वाचक नामावली की चिन्हित प्रति मतदान समाप्ति तक मतदेय स्थल से बाहर नहीं

मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी, निर्धारित समय पर मतदान प्रारंभ कराने के निर्देश

के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में सेक्टर मजिस्ट्रेटों एवं जौनल मजिस्ट्रेटों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे मतदान दिवस से पूर्व अपने

असुविधान हो। उन्होंने कहा कि मतदान दिवस पर सेक्टर एवं जौनल मजिस्ट्रेट लगातार भ्रमणशील रहकर निर्वाचन प्रक्रिया का जायजा लेते रहें तथा मतदान से संबंधित सभी व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी बनाए रखें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने अवगत कराया कि सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी

ले जाएंगे।

इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वागीश कुमार शुक्ला, सहायक निर्वाचन अधिकारी श्री जगज्ज पटेल, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे श्री रोहित यादव, अपर जिलाधिकारी न्यायिक श्री रमेश चंद्र सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026: 23 अक्टूबर को पात्र कर्मचारियों को मिलेगा विशेष आकस्मिक अवकाश, लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सहभागिता के लिए पात्र कर्मचारियों को मतदान दिवस पर विशेष अवकाश अनुमत्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बुधवार को जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी, सोनभद्र श्री चर्चित गौड़

लखनऊ एवं सामान्य प्रशासन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के अनुपालन में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खण्ड स्नातक

निर्वाचन-2026 के दृष्टिगत मतदान दिवस दिनांक 23 अक्टूबर, 2026 को विशेष आकस्मिक अवकाश अनुमत्य किया गया है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के ऐसे सभी कर्मचारी, जो विश्वविद्यालय से स्नातक हैं तथा विधान परिषद के खण्ड स्नातक एवं खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचन में मतदान करने के लिए बोनफाइड मतदाता हैं, उन्हें अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु मतदान दिवस दिनांक 23 अक्टूबर, 2026 को विशेष आकस्मिक अवकाश स्वीकृत किया गया है।

इस व्यवस्था का उद्देश्य पात्र कर्मचारियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सहभागिता करने तथा अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर प्रदान करना है।



ने अवगत कराया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, के 05 एवं खण्ड शिक्षक के 06 निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक

सोनभद्र में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान तेज, साफ-सफाई और फॉगिंग पर विशेष जोर, हाई-रिस्क गांवों में माइक्रोप्लान के तहत विशेष अभियान, जन-जागरूकता गतिविधियों में लाई जा रही तेजी जिलाधिकारी के निर्देश पर स्वास्थ्य एवं संबंधित विभाग सक्रिय, शेष लक्ष्यों को समय से पूरा करने के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बुधवार को जनपद सोनभद्र में 01 अक्टूबर 2026

के सापेक्ष 706 रैलियां आयोजित की जा चुकी हैं। ग्राम स्तर पर प्रभात फेरी के 621 के लक्ष्य के

फॉगिंग के लिए निर्धारित 144 वाडों के लक्ष्य के सापेक्ष 60 वाडों में फॉगिंग कराई गई है। इसके



से संचारी रोग नियंत्रण अभियान व्यापक स्तर पर संचालित किया जा रहा है। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार उच्च जोखिम (हाई-रिस्क) वाले गांवों में माइक्रोप्लान के तहत विशेष साफ-सफाई अभियान चलाते हुए 1,779 स्थलों पर कार्य पूरा किया गया है। हैंडपंप मरम्मत के 2,890 के लक्ष्य के सापेक्ष 1,303 हैंडपंपों की मरम्मत कराई गई तथा हैंडपंपों के चबूतरों की मरम्मत के 1,184 के लक्ष्य के सापेक्ष 530 चबूतरों की मरम्मत पूरी की जा चुकी है। शौचालय निर्माण के निर्धारित लक्ष्य 615 के सापेक्ष 306 शौचालयों का निर्माण कराया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में नालियों की सफाई के 1,889 के लक्ष्य के सापेक्ष 841 नालियों की सफाई कराई गई है। वहीं, शहरी क्षेत्रों में नालियों की सफाई के 1,440 के लक्ष्य के सापेक्ष 592 नालियों की सफाई पूरी की जा चुकी है। नगरीय क्षेत्रों में

अतिरिक्त, सूकर पालकों के संवेदीकरण के 255 के लक्ष्य के सापेक्ष 130 सूकर पालकों को जागरूक किया गया है। कुंतक नियंत्रण के लिए आयोजित की जाने वाली गोष्ठियों के 621 के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 274 गोष्ठियां आयोजित की जा चुकी हैं। शेष लक्ष्यों को समय से पूरा करने के निर्देश- जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि माइक्रोप्लान के अनुरूप अभियान के शेष लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कार्यों में तेजी लाएं तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नियमित निगरानी सुनिश्चित करें। अभियान के दौरान साफ-सफाई, फॉगिंग, जन-जागरूकता एवं रोगियों के चिह्निकरण पर विशेष ध्यान देते हुए संक्रामक रोगों के प्रसार की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्यवाई सुनिश्चित की जाए।

विधान परिषद निर्वाचन-2026: मतदान केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में चुनाव प्रचार एवं अनियमित गतिविधियों पर रहेगा प्रतिबंध मतदान केंद्रों के आसपास चुनावी बूथ स्थापित करने के लिए पूर्व सूचना एवं सक्षम प्राधिकारी से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश विधान परिषद के वाराणसी खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन-2026 के लिए मतदान दिनांक 23 अक्टूबर 2026 को निर्धारित है। निर्वाचन को स्वतंत्र, भयमुक्त, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। उन्होंने संबंधित

अधिकारियों को निर्देशित किया है कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए मतदान केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार का चुनाव प्रचार नहीं किया जाएगा। इस परिधि में चुनाव प्रचार से संबंधित पोस्टर एवं बैनर लगाने पर प्रतिबंध रहेगा। निर्वाचन कार्य में कर्तव्यरत अधिकारियों को छोड़कर अन्य किसी भी व्यक्ति को मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में मोबाइल फोन, बेतार दूरभाष आदि ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मतदाताओं को दी जाने वाली निर्वाचक पर्चियां सादे सफेद कागज पर होंगी, जिन

पर किसी अभ्यर्थी अथवा राजनीतिक दल का नाम, निशान या प्रतीक अंकित नहीं होगा। मतदान के दौरान पीठासीन अधिकारी एवं अन्य मतदान कार्मिक अपने मोबाइल फोन साइलेंट मोड में रखेंगे तथा आवश्यक होने पर मतदान केंद्र के बाहर जाकर बात कर सकेंगे। मतदान केंद्रों पर चिल्लाने अथवा किसी अन्य तरीके से अव्यवस्था उत्पन्न करने की अनुमति नहीं होगी। मतदान स्थल के 100 मीटर के दायरे में राजनीतिक दलों अथवा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों द्वारा चुनावी बूथ स्थापित नहीं किए जाएंगे। यदि एक ही भवन या परिसर में एक

महिलाओं को संगठन से जोड़कर मजबूत करेंगे भाजपा महिला मोर्चा : आशा विश्वकर्मा मधुपुर, हिंदुआरी और राबटर्सगंज में हुआ स्वागत, शीतला माता मंदिर में किया दर्शन-पूजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भाजपा महिला मोर्चा की नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष आशा

जिलाध्यक्ष आशा विश्वकर्मा ने महिला मोर्चा की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए महिलाओं



विश्वकर्मा के लखनऊ से सोनभद्र आगमन पर बुधवार को मधुपुर, हिंदुआरी और राबटर्सगंज में कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह स्वागत किया।

फूल-मालाओं से अभिनंदन के बीच कार्यकर्ताओं ने संगठन में नई जिम्मेदारी मिलने पर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान करीब 200 कार्यकर्ता मौजूद रहे। राबटर्सगंज पहुंचने पर आशा विश्वकर्मा ने शीतला माता मंदिर में दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने नगर भ्रमण किया। स्वागत कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं और महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने उत्साह के साथ भागीदारी की। नवनिर्वाचित

को संगठन से जोड़ने, पार्टी की नीतियों और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत बनाने पर जोर दिया।

उन्होंने कार्यकर्ताओं के सहयोग से महिला मोर्चा की गतिविधियों को गति देने की बात कही। इस मौके पर चोरावल विधायक डॉ. अनिल कुमार मौर्य, अगद विश्वकर्मा, देवेश मिश्रा, शिवम सिंह राजपूत, रामबली मौर्य, पिटू सिंह, प्रमिला जायसवाल, रंजन पांडेय, किरन त्रिपाठी, तारा देवी, रंगीता, विभा, संध्या, कृष्णकुमारी और चंपा सहित करीब 200 कार्यकर्ता मौजूद रहे।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश-विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480





आरल हेल्थ के लिए फायदेमंद हैं लौंग, डॉक्टर से जानें हेल्थ बेनिफिट्स, किन कंडीशंस में न खाएं, ज्यादा खाने के नुकसान

नयी दिल्ली। दांतों में दर्द, मसूड़ों से खून आना, मुंह से बदबू आना या बार-बार होने वाला इन्फेक्शन, ये ऐसी समस्याएं हैं, जिनसे बड़ी संख्या में लोग परेशान रहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी रसोई में मौजूद एक छोटा-सा मसाला इन परेशानियों से बचाव में मदद कर सकता है? हम बात कर रहे हैं लौंग की। 'जर्नल ऑफ इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ प्रिवेंटिव एंड कम्युनिटी डेंटिस्ट्री' के मुताबिक, करीब 95फीसदी वयस्क किसी-न-किसी ओरल हेल्थ समस्या से जूझते हैं। वहीं, हाल की कुछ स्टडीज बताती हैं कि लौंग में मौजूद बायोएक्टिव कंपाउंड्स मसूड़ों की सूजन कम करने और दांतों पर जमे प्लाक को घटाने में मदद कर सकते हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज बात कर रहे लौंग के ओरल हेल्थ बेनिफिट्स की। साथ ही जानेंगे कि-लौंग में कौन-से पोषक तत्व होते हैं? इसे कितनी मात्रा में खाना सेफ है? किन लोगों को लौंग नहीं खानी चाहिए? विषय को समझे एक्सपर्ट: डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर वॉलंटियर, फाउंडर-वनडाइटटुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल-लौंग में कौन-से एक्टिव कंपाउंड्स होते हैं? जवाब- लौंग में कई एक्टिव कंपाउंड्स होते हैं, जो इसे सेहत के लिए फायदेमंद बनाते हैं। जैसे- यूजेनॉल: दर्द और सूजन कम करने में मदद करता है। यूजेनाइल एसिटेट: इन्फेक्शन से लड़ने में मदद करता है। बीटा-कैरियोफाइलीन: सूजन और दर्द से राहत दिलाता है। गैलिक एसिड: सेल्स को फ्री-रेडिकल्स से बचाता है। टैनिन्स: बैक्टीरिया से बचाता है और सेल्स की सुरक्षा करता है। फ्लेवोनॉयड्स: इन्फ्लेमेशन कम करता है। ट्राइटेरपेनॉइड्स: ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस कम करता है। सवाल- जब हम लौंग चबाते हैं तो शरीर में क्या होता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- चबाने पर यूजेनॉल रिलीज होता

से क्या फायदे होते हैं? जवाब- डेली सीमित मात्रा में लौंग खाने से इसमें मौजूद यूजेनॉल और दूसरे एक्टिव कंपाउंड्स शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं। एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर, पाचन को सपोर्ट करे। मुंह की बदबू कम करे। मसूड़ों की स्वस्थ रखे। मुंह के बैक्टीरिया से लड़े। मसूड़ों की स्वेलिंग कम करे। इम्युनिटी को सपोर्ट करे। लूड शुगर कंट्रोल करे। निरव हल्थ को सपोर्ट करे। ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस कम करे।

जवाब- डॉ. अनु अग्रवाल बताती हैं कि इसका कोई तय समय नहीं है। जरूरत और उद्देश्य के अनुसार इसे सीमित मात्रा में कभी-भी खा सकते हैं। लेकिन इन बातों का ध्यान रखे- पाचन के लिए, खाना खाने के बाद लौंग चबा सकते हैं। इससे पाचन में मदद मिलती है और कुछ समय के लिए सांसें की स्मेल भी कम होती है। गले की खराश के लिए, हल्की खराश होने पर 1-2 लौंग चबा सकते हैं। इससे कुछ लोगों को अस्थायी राहत मिल सकती है। सवाल- लौंग का पानी ज्यादा फायदेमंद है या

अमेरिका के जिम्नास्टिक कोच को 90 साल की जेल, नाबालिग बच्चियों के न्यूड वीडियो बनाता था, बाथरूम में कैमरा लगाया था

स्पोर्ट डेस्क। अमेरिका में जिम्नास्टिक्स कोच सीन गार्डनर को 90 साल जेल की सजा सुनाई गई है। यूएस डिस्ट्रिक्ट जज क्रिस्टी आनसन ने बुधवार को लियॉग 'चाउ' चियाओ के संस्थान में काम करता था। वह युवा खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देने के साथ आयोवा में आयोजित होने वाली एक बड़ी सालाना स्पोर्ट डेस्क। अमेरिका में जिम्नास्टिक्स कोच सीन गार्डनर को 90 साल जेल की सजा सुनाई गई है। यूएस डिस्ट्रिक्ट जज क्रिस्टी आनसन ने बुधवार को

लियांग 'चाउ' चियाओ के संस्थान में काम करता था। वह युवा खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देने के साथ आयोवा में आयोजित होने वाली एक बड़ी सालाना स्पोर्ट डेस्क। अमेरिका में जिम्नास्टिक्स कोच सीन गार्डनर को 90 साल जेल की सजा सुनाई गई है। यूएस डिस्ट्रिक्ट जज क्रिस्टी आनसन ने बुधवार को

भारत ने टी-20 में 2000 छक्के पूरे किए, अभिषेक-सैमसन से भिड़े वेस्टइंडीज के फ्लेयर्स, होप ने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा

स्पोर्ट डेस्क। वेस्टइंडीज ने चौथे टी-20 मैच में भारत को 24 रन से हरा दिया। हैदराबाद में खेले गए इस मैच के दौरान भारत ने टी-20 इंटरनेशनल में 2 हजार छक्के पूरे किए। शाई होप ने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वे वेस्टइंडीज के लिए टी-20 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। भारत-वेस्टइंडीज चौथे टी-20 में बने

आखिरी गेंद पर तिलक वर्मा ने होप का कैच छोड़ दिया। 96 रन बनाकर खेल रहे होप ने नितीश रेड्डी की गेंद पर लॉना-ऑन की ओर शॉट खेला। तिलक कैच पकड़ने के लिए बाईं ओर गए, लेकिन फलडलाइट्स में गेंद ठीक से नहीं देख सके और कैच छूट गया। गेंद सीधे बाउंड्री रोप पर गिरी और होप को छक्का मिला। उन्होंने आखिरी 2 गेंद पर छक्का

गावस्कर ने कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने कई फुलटॉस और खराब लेंथ की गेंदें डालीं। उन्होंने कहा कि गेंदबाजों ने फ्लान को एक्सक्लूड नहीं कर पाए, तो पिच को दोष नहीं दे सकते। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी माना कि गेंदबाजों में फ्लान को सही तरह लागू नहीं करना भारी पड़ा। बुधवार को भारतीय टीम को हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ 24 रन से हार मिली। इससे पहले भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर भी बल्लेबाज और गेंद के बीच बेहतर मुकाबला कराने वाली पिचों की मांग कर चुके हैं। गावस्कर ने कहा- बॉलर्स की कमियों के कारण बड़ा स्कोर बना-गावस्कर ने जियोहॉटस्टार पर कहा कि भारत की गेंदबाजी को कमियों के कारण वेस्टइंडीज ने बड़ा स्कोर बनाया। हम अक्सर पिचों की बात करते हैं और उन्हें दोष देते हैं, कहते हैं कि पिच गेंदबाजों की मदद नहीं करती। लेकिन अगर आप फुलटॉस डालते हैं, तो पिच को दोष नहीं दिया जा सकता।' गावस्कर ने कहा कि गेंदबाजों को पिच का फायदा उठाने के लिए सही जगह गेंद डालनी होगी। फुलटॉस और

पिच के बीच में पड़ने वाली गेंदों से बल्लेबाजों को रन बनाने का मौका नहीं देना चाहिए। गावस्कर ने कहा कि वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने बाद में सही लेंथ और यॉर्कर डाली। फ्लेयर्स ने बताया कि गेंद

पिच पर रुककर आ रही थी-राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम की दोबारा बिछाई गई पिच से गेंदबाजों को कुछ मदद मिली। खिलाड़ियों ने बताया कि गेंद कभी-कभी पिच पर रुककर आई और उछाल भी दिखा। हालांकि, गावस्कर का कहना था कि गेंदबाजों को इन परिस्थितियों का बेहतर इस्तेमाल करना चाहिए था। शमार जोसेफ ने अर्शदीप को बाउंसर मारी-गावस्कर ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ की खेल भावना पर भी सवाल उठाए। मैच के दौरान शमार ने अर्शदीप सिंह को बाउंसर मारी, जोकि उनके कंधे पर लगी। इसके बाद अर्शदीप विकेट छोड़कर बल्लेबाजी करने लगे। इसके बावजूद शमार ने अर्शदीप की बॉडीलाइन पर गेंदबाजी जारी रखी। उन्होंने एक और बाउंसर मारी। इस पर गावस्कर ने कमेंट्री में कहा- वह स्टंप पर गेंदबाजी करने के बजाय 'अर्शदीप को निशाना बना रहे हैं', जबकि स्टंप पूरी तरह असुरक्षित थे। दूसरी बार चोटिल होने से बाल-बाल बचने के बाद अर्शदीप खेल जारी रखने में असमर्थ रहे। वह 5 रन पर रिटायर हट गए।

किन लोगों के लिए लौंग खाना हानिकारक हो सकता है?

1. खून बहने की समस्या
जिनका खून आसानी से नहीं जमता (रक्तस्राव विकार वालों के लिए)।

2. आगामी सर्जरी
सर्जरी से 2 सप्ताह पहले लौंग का अधिक सेवन न करें, यह खून को पतला कर सकता है।

3. गर्भवती महिला
सीमित मात्रा में लें, डॉक्टर की सलाह लें।

4. लौंग से एलर्जी
कुछ लोगों को लौंग से एलर्जी हो सकती है, जिससे त्वचा पर लाल धकते या सांसें में परेशानी हो सकती है।

हैं, जो लौंग का सबसे प्रमुख एक्टिव कंपाउंड है। लार का प्रोडक्शन ज्यादा होता है, जिससे खाना पचाने की प्रक्रिया बेहतर होती है। मुंह को नुकसान पहुंचाने वाले बैक्टीरिया कम होते हैं। सांसें की स्मेल कुछ समय के लिए कम हो सकती है। दांत और मसूड़ों में हल्का सूजनपन महसूस हो सकता है। इससे दांत दर्द में अस्थायी राहत मिल सकती है। एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इन्फ्लेमेटरी कंपाउंड्स शरीर

कुछ सामान्य हेल्थ प्रॉब्लम्स में राहत पहुंचाती है, जैसेकि- दांत दर्द में। मसूड़ों की सूजन में मुंह की बदबू में। गले की हल्की खराश में गैस और अपच में। हल्की सूजन में। सवाल- क्या लौंग खाने से मेमोरी बढ़ती है? जवाब- नहीं, ये कहना सही नहीं होगा। हालांकि इसमें मौजूद यूजेनॉल और दूसरे एंटीऑक्सिडेंट कंपाउंड्स ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करने में मदद

साबुत लौंग चबाना? जवाब- आमतौर पर साबुत लौंग चबाना इसका पानी पीने से ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। चबाने पर लौंग का एसेंशियल ऑयल सीधे निकलता है। इसमें यूजेनॉल समेत कई एक्टिव कंपाउंड्स भरपूर मात्रा में होते हैं। लौंग का पानी बनाने पर इनमें से कुछ ही तत्व पानी में घुल पाते हैं। अगर किसी को साबुत लौंग चबाने में दिक्कत हो तो लौंग

स्टोरीटेलिंग में टेक्नीक नहीं, इंसानी जुड़ाव ज्यादा मायने रखता है

नेटफ्लिक्स ने जब से स्टोरीटेलिंग को कई एपिसोड और सीजन में बांटना शुरू किया, उससे कई वर्षों पहले मेरे नानाजी एक स्टोरीटेलर थे। हर रात वे हमें एक कहानी सुनाते थे और रामायण उनकी पसंदीदा कहानी थी। उनकी ऑडियंस सिर्फ उनके ग्रैंड-चिल्ड्रन ही नहीं थे। पड़ोस के बच्चे भी दौड़कर हमारे बरामदे में आ जाते थे। आज के किसी वेब सीरीज डायरेक्टर की तरह वे भी हर रात कहानी को बेहद रोमांचक मोड़ पर खत्म करते थे। जैसे ही हम आगे की कहानी जानने के लिए बेचैन होते तो वे रुक जाते। हम यह सोचते हुए सोने चले जाते कि राम अगली चुनौती का सामना कैसे करेंगे, हनुमान क्या करेंगे या अच्छाई और बुराई के बीच की लड़ाई अब क्या मोड़ लेगी। अगली शाम हम अगला एपिसोड सुनने की बेचैनी में लौटते और ऐसे रामायण महीनों तक चलती रहती।पीछे मुड़कर देखातू तो समझ आता है कि इसने हमारे दिमाग को सुनना, कल्पना करना, याद रखना और एंटीसिपेट करना सिखाया। बगैर किसी टीवी स्क्रीन, स्पेशल इफेक्ट और बैकग्राउंड म्यूजिक के वे हमें अयोध्या, वनवास के जंगलों और लंका तक पहुंचा देते थे। हम अपने मन में उन किरदारों और उनके आसपास की दुनिया की अपनी ही तस्वीरें बनाते थे। कहानियां खत्म होने के बहुत बाद भी वे तस्वीरें हमारे मन में बनी रहीं। बचपन में सुनी रामायण की बहुत-सी बातें मैं नहीं भूला था, हालांकि बाद में फिल्मों ने इस एपिक को पर्दे पर



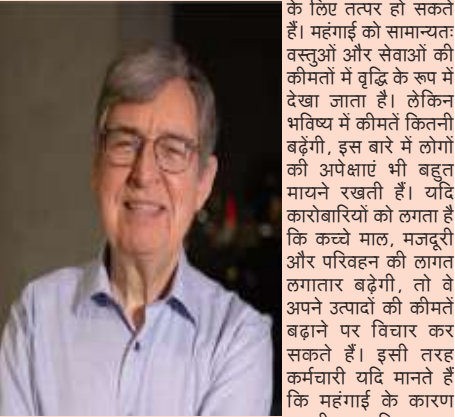
से देर रात घर लौटने और टीवी व मोबाइल फोन पर बड़ती निर्भरता ने ऐसी सहज परंपराओं के लिए समय घटा दिया है। बच्चों के पास इंटरटेनमेंट पहले से कहीं ज्यादा हैं, लेकिन ग्रैंड-पैरेंट्स के साथ बेड-टाइम स्टोरी का वो अनुभव दुर्लभ होता जा रहा है। शायद यही वजह है कि लखनऊ के ऐतिहासिक ऐशबाग मैदान में चल रही रामलीला का महत्व धार्मिक आस्था से कहीं बढ़कर है। यह हमें याद दिलाती है वह स्टोरीटेलिंग अलग-अलग पीढ़ियों के लोगों को एक साथ ला सकती हैं। ऐशबाग रामलीला की परंपरा 500 साल से ज्यादा पुरानी है। इस साल रविवार से

शुरू हुए और 22 अक्टूबर तक चलने वाले ‘रामोत्सव-2026’ में कोलकाता के 50 कलाकारों का दल रामायण को जीवंत कर रहा है। कलाकार पारंपरिक कथावाचन, प्रभावशाली डायलॉग्स और स्टैंड प्रेजेन्टेशन के जरिए रामायण के प्रसंगों को री-क्रिएट कर रहे हैं। लेकिन आयोजक यह भी समझते हैं कि आज के दर्शक पहले से ज्यादा इमर्सिव एक्सपीरियंस चाहते हैं। इस आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण दिल्ली से लाया गया 12 फुट ऊंचा रोबोटिक हाथी है। एआई-जनरेटेड विजुअल आज के दर्शकों को आकर्षित कर सकते हैं। टेक्नोलॉजी किसी प्राचीन एपिक के मूलभाव को बदले बिना उसे नई पीढ़ी के लिए रोचक बना सकती है। फिर भी, यह उस आत्मीयता की जगह नहीं ले सकती, जो किसी बच्चे को सोते वक्त ग्रैंड-पैरेंट्स के कहानी सुनाने में महसूस होती थी। स्क्रीन पर

वे तस्वीरें दिखाई जाती हैं, जिन्हें कोई और पहले ही बना चुका होता है। स्टोरीटेलर बच्चे को मन से तस्वीरें बनाते, सवाल पूछते और कहानी की घटनाओं को कनेक्ट करने के लिए प्रेरित करता है। कहानी को समझने के लिए बच्चे को ध्यान से सुनना, किरदारों को याद रखना और यह अंदाजा लगाना होता है कि आगे क्या हो सकता है। ये एक्सरसाइज छोटी, किन्तु अटेशन, इमेजिनेशन और मेमोरी के लिए मूल्यवान हैं। कोई कहानी साहस, दयालुता, वफादारी, प्रलोभन और अपने फैसलों के परिणाम पर बात करने का मौका भी बन सकती है। अगर हम महीनों तक रामायण नहीं सुना सकते तो हमें कोई कहानी चुननी चाहिए। उसे किसी दिलचस्प मोड़ पर रोक कर अगली रात फिर आगे बढ़ा सकते हैं। अगला एपिसोड सुनाने से पहले बच्चों से पूछें कि उन्हें पिछला क्या याद है। दुनिया ओरल-स्टोरीटेलिंग से टीवी, सिनेमा, रोबोटिक्स और एआई तक पहुंच सकती है। हमें हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखने वाले हर इन्वेंशन का स्वागत करना चाहिए, लेकिन स्टोरीटेलिंग में बच्चों की कल्पनाशक्ति को गढ़ने का फायदा णिग होता है। फंडा यह है कि बेड-टाइम स्टोरीटेलिंग फिर से शुरू करें। पैरेंट्स या ग्रैंड-पैरेंट्स की महज दस मिनट की आवाज ही बच्चे की इमेजिनेशन, अटेंशन और मेमोरी को समृद्ध कर सकती है। साथ ही ऐसे मानवीय मूल्य दे सकती है, जो कोई स्क्रीन उनका नहीं सिखा सकती। एन. रघुरामन

इकोनॉमी इस आधार पर चलती है कि हम किस तरह के फैसले लेते हैं

वर्ष 2026 के अर्थशास्त्र के नोबेल विजेता रॉबर्ट ई. हॉल और माइकल वुडफोर्ड का शोध बहुत रोचक है। वो हमें बताता है कि अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने के लिए केवल महंगाई, उत्पादन और ब्याज दरों के आंकड़ों को देखना पर्याप्त नहीं है, यह भी समझना होता है कि परिवार और व्यवसाय किस प्रकार के निर्णय लेते हैं। मान लीजिए किसी परिवार की मासिक आय 50 हजार रुपये है। यदि परिवार को विश्वास है कि उसकी नौकरी सुरक्षित है और आने वाले वर्षों में आय बढ़ेगी, तो वह घर खरीदने, बच्चों की शिक्षा पर खर्च करने या नया वाहन लेने का निर्णय कर सकता है। लेकिन यदि उसी परिवार को नौकरी जाने का डर हो या कारोबार में मंदी की आशंका हो, तो वह खर्च कम करके बचत बढ़ाने की कौशिश करेगा। दोनों परिवारों की वर्तमान आय समान होने के बावजूद उनके फैसले अलग हो सकते हैं, क्योंकि आर्थिक निर्णय भविष्य की संभावनाओं, आर्थिक सुरक्षा और उपलब्ध जानकारी पर भी निर्भर करते हैं। रॉबर्ट ई. हॉल के शोध का महत्वपूर्ण संदेश यही है। परिवारों के बचत को समझने के लिए उनकी



संख्या में परिवार भविष्य को लेकर चिंतित होकर खर्च कम कर देते हैं, तो बाजार में मांग घट सकती है, कारोबारियों की बिक्री प्रभावित हो सकती है और निवेश तथा रोजगार के नए अवसरों पर भी असर पड़ सकता है। इस प्रकार व्यक्तिगत स्तर पर लिए गए निर्णय पूरी अर्थव्यवस्था को दिशा को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि सभी परिवार भविष्य के बारे में पूरी जानकारी रखते हैं या एक ही तरह से व्यवहार करते हैं। आय की अनिश्चितता, बचत की क्षमता, ऋण की उपलब्धता और

समझने में योगदान दिया कि मौद्रिक नीति का प्रभाव केवल ब्याज दर में बदलाव से नहीं, बल्कि इससे भी पड़ता है कि परिवार और कारोबारी भविष्य की आर्थिक परिस्थितियों तथा केन्द्रीय बैंक की नीतियों के बारे में क्या अपेक्षाएं रखते हैं। मान लीजिए भारतीय रिजर्व बैंक ब्याज दरों में कमी करता है, इससे ऋण की लागत घटने और घर खरीदने या कारोबार बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन मिलने की संभावना हो सकती है। लेकिन यदि लोगों को लगता है कि भविष्य में उनकी आय घट सकती है या रोजगार सुरक्षित नहीं है, तो वे कम ब्याज

दर के बावजूद नया ऋण लेने से कतराएंगे। दूसरी ओर यदि उन्हें भविष्य पर भरोसा है, तो वे निवेश और खर्च बढ़ाने के लिए तत्पर हो सकते हैं। महंगाई को सामान्यतः वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि के रूप में देखा जाता है। लेकिन भविष्य में कीमतें कितनी बढ़ेंगी, इस बारे में लोगों की अपेक्षाएं भी बहुत मायने रखती हैं। यदि कारोबारियों को लगता है कि कच्चे माल, मजदूरी और परिवहन की लागत लगातार बढ़ेगी, तो वे अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं। इसी तरह कर्मचारी यदि मानते हैं कि महंगाई के कारण उनकी वास्तविक आय घटेगी, तो वे अधिक वेतन की मांग कर सकते हैं। सार यह है कि अर्थव्यवस्था की सफलता केवल सही नीतियों बनाने में नहीं, बल्कि यह समझने में भी है कि वे नीतियां लोगों के व्यवहार को कैसे प्रभावित करेंगी। अर्थव्यवस्था कोई अलग से चलने वाली मशीन नहीं है, वह करोड़ों परिवारों, उद्योगों, कर्मचारियों व निवेशकों के निर्णयों से मिलकर बनती है। उसे स्थिर रखने के लिए सही नीतियों के साथ लोगों की अपेक्षाओं, परिस्थितियों और भरोसे को समझना भी उतना ही जरूरी है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,सुरेश कोठारी)

आने वाली पीढ़ी बारिश का महत्व भला कैसे जानेगी? उसे सहेजने और सम्भालने की बात तो बहुत दूर की कौड़ी है। हां, हिंदुस्तानी कण्ठ-संगीत में जरूर बारिश के लिए तरह-तरह से आह्वान किया जाता है। लेकिन उसे गाने वाले अब कम हैं और सुनने वाले और भी कम। यहां बात हो रही है राग मल्हार की। दरअसल, मल्हार एक राग-परिवार है। इसके सदस्य के रूप में कई राग हैं, जिनमें प्रमुख हैं- मियां की मल्हार, गौड़ मल्हार, मेघ मल्हार, सूर मल्हार, रामदासी मल्हार, नट मल्हार, जयंत मल्हार, शुद्ध मल्हार, धानी मल्हार आदि। देखिए इन रागों में वर्षा का आह्वान कैसे किया जाता है। जैसे मियां की मल्हार में बंदिश- ‘घन गरजत- बरसत बूंद-बूंदच्छा।’ मेघ मल्हार की बंदिश- ‘सखी बदरा बरसे झनन-झनन।’ गौड़ मल्हार- ‘गरजत, बरसत सावन आयो रेष्ठ।’ हर जगह बारिश का स्वागत,छ लेकिन हम क्या सीख और सिखा रहे हैं- ‘रेन-रेन गो अवे!’ अब अंत में आते हैं बिहार की बाढ़ पत्र।

आयुष्मान भारत और प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस: क्या आपको दोनों की जरूरत है?

लेखक - श्री अमरनाथ सक्सेना, चीफ टेक्निकल ऑफिसर - कमर्शियल, बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व नाम बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड)

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
लाखां भारतीयों के लिए, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेवाई) ने स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाने में

आर्थिक सुरक्षा जरूर देती है, लेकिन हर तरह की स्वास्थ्य जरूरत को पूरा करने के लिए यह हमेशा पर्याप्त नहीं होती। मेडिकल क्षेत्र में बढ़ती महंगाई, इलाज के खर्च में लगातार बढ़ाव

नहीं होते--मेडिकल क्षेत्र की महंगाई और इलाज के बढ़ते खर्च के साथ रु5 लाख की कवरेज सिर्फ एक या दो बार हॉस्पिटल में भर्ती होने पर ही खत्म हो सकती है। हृदय से जुड़ी किसी



अहम भूमिका निभाई है। सीमित आर्थिक संसाधनों वाले परिवारों के लिए यह योजना मेडिकल इमरजेंसी के समय आर्थिक सहारा साबित हुई है। इससे परिवारों को इलाज के खर्च की चिंता नहीं करनी होती है और स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित नहीं होना पड़ता है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन ने इस सोच को और मजबूत किया है। इसके तहत आभा (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) सिस्टम में 90 करोड़ से ज्यादा नागरिकों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। गौरतलब है कि इनमें लगभग आधे रजिस्ट्रेशन महिलाओं के हैं। एबी-पीएमजेवाई के तहत पात्र परिवारों को हर साल रु5 लाख तक का क्वेशलेंस है, हॉस्पिटलाइज़ेशन कवरेज देता है, जिसके तहत पूरे भारत में योजना से जुड़े सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल्स में कैंशलेस इलाज की सुविधा मिलती है। इस योजना में कई तरह के मेडिकल प्रोसीजर कवर होते हैं, जिनमें पहले से मौजूद कई बीमारियां भी शामिल हैं। इसमें परिवार के सदस्यों की संख्या, उम्र या लिंग को लेकर भी कोई पाबंदी नहीं है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सुरक्षा बेहद अहम है। फिर भी, यह समझना जरूरी है कि आयुष्मान भारत एक सरकारी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना है, जिसमें इलाज की पहले से तय दरें व श्रेणियां और नेटवर्क हॉस्पिटल्स ही शामिल होते हैं। किसी भी स्वास्थ्य योजना की तरह, इसकी भी कुछ सीमाएं होती हैं। रु5 लाख हमेशा पर्याप्त

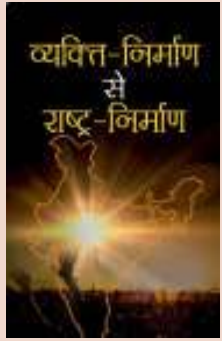
और एडवांस मेडिकल टेक्नोलॉजी के बढ़ते इस्तेमाल के साथ, स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च कई मामलों में योजना के तहत मिलने वाले कवरेज से ज्यादा हो सकता है। ऐसे में केवल सरकारी इंश्योरेंस पर निर्भर रहने से कुछ परिस्थितियों में व्यक्ति और परिवारों को अपनी जेब से काफी खर्च करना पड़ सकता है। आयुष्मान भारत में क्या कवर किया जाता है:आयुष्मान भारत पात्र परिवारों को हॉस्पिटलाइज़ेशन कवरेज देता है, जिसके तहत पूरे भारत में योजना से जुड़े सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल्स में कैंशलेस इलाज की सुविधा मिलती है। इस योजना में कई तरह के मेडिकल प्रोसीजर कवर होते हैं, जिनमें पहले से मौजूद कई बीमारियां भी शामिल हैं। इसमें परिवार के सदस्यों की संख्या, उम्र या लिंग को लेकर भी कोई पाबंदी नहीं है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सुरक्षा बेहद अहम है। फिर भी, यह समझना जरूरी है कि आयुष्मान भारत एक सरकारी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना है, जिसमें इलाज की पहले से तय दरें व श्रेणियां और नेटवर्क हॉस्पिटल्स ही शामिल होते हैं। किसी भी स्वास्थ्य योजना की तरह, इसकी भी कुछ सीमाएं होती हैं। रु5 लाख हमेशा पर्याप्त

प्रोसीजर के बाद आईसीयू में भर्ती होने और ठीक होने, या कैंसर के लंबे समय तक चलने वाले इलाज में कुल मेडिकल खर्च उपलब्ध कवरेज से ज्यादा हो सकता है, क्योंकि कैंसर में कई बार हॉस्पिटल जाना पड़ता है, इसी तरह कोई ऐसी बीमारी, जिसमें लंबे समय तक इलाज की जरूरत हो, उनमें या इस तरह के सभी मामलों में कुल मेडिकल खर्च उपलब्ध कवरेज से ज्यादा हो सकता है। ऐसे में मरीजों को अतिरिक्त खर्च अपनी जेब से उठाना पड़ सकता है। प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस में अक्सर ज्यादा सुविधाएं और विकल्प मिलते हैं। पॉलिसी के आधार पर, आपको हॉस्पिटल्स का बड़ा नेटवर्क, रूम रेंट की ज्यादा सीमा, इलाज का व्यापक कवरेज और कुछ अतिरिक्त लाभ मिल सकते हैं, जो सरकारी योजनाओं में हमेशा उपलब्ध नहीं होते। प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस के साथ अतिरिक्त लाभ: कई लोगों को लगता है कि हेल्थ इंश्योरेंस का मतलब सिर्फ हॉस्पिटल में भर्ती होने का खर्च कवर होना है। लेकिन सच्चाई यह है कि इलाज के खर्च हॉस्पिटल में भर्ती होने से काफी पहले शुरू हो सकते हैं और डिस्चार्ज होने के बाद भी जारी रह सकते हैं। आज की प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसियों में कई अतिरिक्त लाभ

मिल सकते हैं, जैसे सालाना हेल्थ चेक-अप, ओपीडी कवरेज, टेली कंसल्टेशन, वेलनेस रिवॉइर्स, डे-केयर प्रोसीजर, डीमॉसिलियरी ट्रीटमेंट, हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद के लिए ज्यादा कवरेज, क्रिटिकल इलनेस कवरेज आदि। आयुष्मान भारत तय शर्तों और सीमाओं के तहत हॉस्पिटल में भर्ती होने से जुड़े खर्चों को कवर करता है, जबकि प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस आपको जरूरत के अनुसार स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ज्यादा व्यापक कवरेज दे सकता है। स्यूक्त कवरेज के साथ स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत बनाना: किसी परिवार को आयुष्मान भारत के लिए पात्र होने के बावजूद आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, जैसे कि इलाज का खर्च योजना की कवरेज सीमा से ज्यादा हो सकता है, या इलाज की प्रोसीजर कवरेज से बाहर हो सकती है, या लंबे समय तक इलाज और रिकवरी की जरूरत पड़ सकती है। ऐसी स्थितियों में, प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस आर्थिक सहारे के तौर पर काम करता है और परिवारों को अपनी बचत खर्च करने या कर्ज़ लेने से बचाने में मदद करता है। आयुष्मान भारत और प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस साथ मिलकर बेहतर आर्थिक सुरक्षा देते हैं, जिससे रोजमर्रा की स्वास्थ्य जरूरतों से लेकर गंभीर मेडिकल इमरजेंसी तक, दोनों तरह की परिस्थितियों में सुरक्षा मिलती है। यहां बात आयुष्मान भारत की उपयोगिता को लेकर नहीं है, क्योंकि इसने लाखों भारतीयों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अहम सवाल यह है कि क्या केवल इस योजना की राशि से स्वास्थ्य संबंधी हर तरह की जरूरतें पूरी हो सकती हैं। कई परिवारों के लिए इसका जवाब अब धीरे-धीरे 'नहीं' होता जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं के खर्च लगातार बढ़ रहे हैं और इलाज के विकल्प भी पहले से ज्यादा एडवांस हो रहे हैं। ऐसे में प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस सरकारी कवरेज के साथ मिलकर एक उपयोगी अतिरिक्त सुरक्षा बन जाती है। आयुष्मान भारत और प्राइवेट हेल्थ इंश्योरेंस को एक-दूसरे के विकल्प के बजाय, साथ मिलकर काम करने वाले साधनों के रूप में देखना बेहतर है। दोनों मिलकर परिवारों को ज्यादा व्यापक स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा देने में मदद कर सकते हैं।

व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण

जब हम 'राष्ट्र' शब्द सुनते हैं, तो मन में प्रश्न उठता है-- राष्ट्र क्या है? क्या वह केवल वह भूभाग है, जहाँ हम निवास करते हैं? क्या राष्ट्र का अर्थ मात्र भूमि, सीमाओं और राजनीतिक व्यवस्था तक सीमित है? नहीं, राष्ट्र इससे कहीं अधिक व्यापक अवधारणा है। राष्ट्र एक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक पहचान है, जिसका जीवन उसके नागरिकों, उनकी सामूहिक चेतना, संस्थाओं और भूभाग से जुड़े आत्मीय संबंधों में अभिव्यक्त होता है।राष्ट्र निर्माण के केंद्र में मनुष्य की भूमिका सर्वोपरि है। प्रकृति जीवन का आधार प्रदान करती है; पशु-पक्षी, मधुमक्खिचूँँ, परागण करने वाले जीव, केंएड, कीट और सूक्ष्म जीव पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखते हैं। वन, नदियाँ और समस्त प्राकृतिक संपदा जीवन को पोषित करती हैं। संस्कृति सामूहिक पहचान को समृद्ध करती है, जबकि न्यायपूर्ण संस्थाएँ सामाजिक जीवन को स्थिरता प्रदान करती हैं। 'अतः राष्ट्र निर्माण का वास्तविक अर्थ है--मानव क्षमता का विकास, समाज का सुदृढ़ीकरण, संस्कृति का संवर्धन, प्रकृति का संरक्षण और न्यायपूर्ण व्यवस्था की स्थापना।' इसी व्यापक दृष्टि से व्यक्ति निर्माण को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला कहा जा सकता है। व्यक्ति में संस्कारों का विकास होता है, संस्कारों से समाज सुदृढ़ होता है, समाज से राष्ट्र की प्रतिष्ठा बढ़ती है और राष्ट्र से विश्वकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। व्यक्ति का चरित्र ऊँचा होगा, तो समाज का स्तर ऊँचा होगा; समाज का स्तर



राष्ट्र का निर्माण होता है। इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हमारी सनातन परंपरा में पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन में दिखाई देता है। श्रीराम का चरित्र मर्यादा, सत्यानिष्ठा, कर्तव्यपालन, त्याग और लोककल्याण का आदर्श प्रस्तुत करता है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि व्यक्ति की महानता केवल उसके शक्ति में नहीं, बल्कि उसके आचरण, उत्तरदायित्व और दूसरों के प्रति संबेदनशीलता में निहित होती है। जब व्यक्तिगत आदर्श सामाजिक आचरण का स्वरूप ग्रहण करते हैं, तब राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना सुदृढ़ होती है। इसी आदर्श की सजीव अभिव्यक्ति 'वंदनीय मौसी जी (लक्ष्मी बाई केलकर) के जीवन और कृतित्व में भी दृष्टिगोचर होती है। उन्होंने नारीशक्ति, संस्कार, सेवा और

राष्ट्रनिष्ठा को अपने जीवन का ध्येय बनाकर समाज में जागरण की अलख जगाई। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि जब व्यक्ति अपने समर्पण और त्याग से दूसरों के जीवन को दिशा देता है, तब व्यक्ति निर्माण की साधना राष्ट्र निर्माण के महान संकल्प में परिणत हो जाती है। सनातन संस्कृति में विद्या का उद्देश्य भी केवल ज्ञानार्जन या आजीविका प्राप्त करना नहीं, बल्कि मनुष्य को आंतरिक रूप से उन्नत बनाना है। भारतीय परंपरा में कहा गया है--'सा विद्या या विमुक्तये', अर्थात् सच्ची विद्या वही है, जो अज्ञान और बंधनों से मुक्ति प्रदान करे। स्वामी विवेकानंद ने भी ऐसी शिक्षा पर विशेष बल दिया, जो मनुष्य में निहित पूर्णता को अभिव्यक्त करे। उनके विचार में शिक्षा मनुष्य के भीतर विद्यमान शक्तियों और संभावनाओं को जागृत करने का माध्यम है। वस्तुतः व्यक्ति निर्माण मनुष्य में निहित श्रेष्ठता का प्रकटीकरण है और जब यही श्रेष्ठता सामूहिक चरित्र बनती है, तभी राष्ट्र निर्माण की सुदृढ़ आधारशिला रखी जाती है।हमारी सांस्कृतिक चेतना का विस्तार केवल अपने परिवार, समाज अथवा राष्ट्र तक सीमित नहीं है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना संपूर्ण विश्व को एक परिवार मानने की प्रेरणा देती है। 'सर्व भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' का मंगलभाव समस्त प्राणियों के सुख, स्वास्थ्य और कल्याण की कामना करता है। यह दृष्टि स्पष्ट करती है कि सच्चा राष्ट्रभाव संकीर्णता नहीं, बल्कि आत्मीयता, सहअस्तित्व और विश्वबंधुत्व का संवाहक है। राष्ट्र निर्माण लंबे लिए आत्मविश्वास, पुरुषार्थ और

सतत कर्मशीलता भी अनिवार्य हैं। मैथिलीशरण गुप्त की प्रेरक पंक्तियाँ हैं--'नर हो, न निराश करों मन को।' रामधारी सिंह 'दिनकर' की ओजस्वी अभिव्यक्ति है--'मानव जब जोर लगता है, पत्थर पानी बन जाता है।' स्वामी विवेकानंद का आह्वान--'उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए'--व्यक्ति को अपने सामर्थ्य की पहचान कर राष्ट्रहित में सक्रिय होने की प्रेरणा देता है। महात्मा गांधी का विचार, 'Be the change that you wish to see in the world', हमें स्मरण कराता है कि परिवर्तन की शुरुआत स्वयं से होती है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के सपनों संबंधी प्रेरक विचार भी संकल्प को कर्म में परिणत करने का संदेश देते हैं। रवीन्द्रनाथ ठाकुर की कल्पना--'जहाँ मन भय से मुक्त हो और मस्तक गर्व से उन्नत हो'--एक ऐसे समाज की आकांक्षा व्यक्त करती है, जहाँ स्वतंत्र चिंतन, आत्मसाक्षात्कार और मानवीय गरिमा प्रतिष्ठित हो। अंततः राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके नागरिकों के चरित्र, संस्कार, कर्तव्यनिष्ठा और सामूहिक चेतना में निहित है। राष्ट्र की सीमाएँ शस्त्रों से सुरक्षित होती हैं, किंतु उसकी आत्मा संस्कारों से संरक्षित रहती है। इसलिए राष्ट्र निर्माण की यात्रा आत्मनिर्माण से आरंभ होती है। जब प्रत्येक व्यक्ति सत्य, सेवा, अनुशासन, समरसता और राष्ट्रनिष्ठा को अपने जीवन का आधार बनाएगा, तभी एक समर्थ, समृद्ध और संस्कारित राष्ट्र का स्मन साकार होगा। व्यक्ति का परिष्कार ही समाज का उत्थान है और समाज का उत्थान ही राष्ट्र की वास्तविक उन्नति।

13- 17 अक्टूबर 2026; इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा

मजबूत सोर्सिंग गतिविधि और आगंतुकों की लगातार बढ़ती संख्या ने आईएचजीएफ दिल्ली मेले की वैश्विक अपील का प्रमाण दिया

‘ग्लोबल बायर ट्रेड्स 2027’ और ‘हाउ एक्सपोर्टर्स कैन नैविगेट प्रोडक्शन एंड सोर्सिंग इन द वर्ल्ड ऑफ एआई’ आदि विषयों पर आयोजित सेमिनार्स में उदयोग जगत की मजबूत भागीदारी देखने को मिली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) द्वारा 62वाँ आईएचजीएफ दिल्ली

बढ़ती उत्कृष्टता और निर्माण से लेकर निर्यात तक हर चरण में बरती जाने वाली सावधानी से परिचित हैं। इन सारे कारकों ने

उम्मीद रखते हैं। अमेरिका से आई रिटेल खरीदार स्टेवी बो स्कांविच दूसरी बार आईएचजीएफ दिल्ली मेले में

इसे नई दिल्ली में शुरुआती संस्करणों से अब तक विकसित होते देखा है। वे रिटेल और व्यावसायिक ग्राहकों के लिए लाइटिंग, गिफ्टवेयर, क्रिसमस सजावट तथा अन्य उत्पादों की सोर्सिंग करती हैं। उनकी कंपनी के निर्यात में भारत का हिस्सा लगभग 60 प्रतिशत है। वे सभी श्रेणियों में उत्पाद की गुणवत्ता में हुए महत्वपूर्ण सुधार की सराहना करती हैं और इस मेले को सोर्सिंग के लिए एक महत्वपूर्ण और मूल्यवान स्थान मानती हैं। ईपीसीएच के उपाध्यक्ष श्री सागर मेहता ने मेले की बदलती आकार और नए प्रदर्शकों के जुड़ने के बारे में बताया होम, हॉस्पिटैलिटी और व्यावसायिक क्षेत्रों से जुड़े आयतकों, रिटेलरों तथा विदेशी आगंतुकों को नई प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा, ‘भारत की विविध भौगोलिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हुए, आईएचजीएफ दिल्ली मेले में ऐसे उत्पाद प्रस्तुत किए जाते हैं जो समृद्ध कारीगरी की परंपराओं और प्रचुर कच्चे माल पर आधारित हैं। यह मेला खरीदारों को निर्माताओं से जुड़ने, नए विचार तलाशने और पूरे भारत के निर्माताओं से उत्पादों की सोर्सिंग तथा अपनी आवश्यकता

एआई’ आदि विषयों पर

महत्वपूर्ण और मूल्यवान स्थान मानती हैं। ईपीसीएच के उपाध्यक्ष श्री सागर मेहता ने मेले की बदलती आकार और नए प्रदर्शकों के जुड़ने के बारे में बताया अपनी बात को विस्तार देते हुए उन्होंने यही भी बताया कि आज आयोजित सेमिनारों से प्रदर्शकों और प्रतिभागियों को उपयोगी जानकारी मिली।विषयक सेमिनार ने निर्यातकों को बदलती खरीदार और उपभोक्ता प्राथमिकताओं, उभरते बाजार अवसरों, उत्पाद-बाजार अनुकूलता, सामग्री और डिजाइन की दिशा, सस्टेनेबिलिटी तथा ऐसी रणनीतियों से अवगत कराया जिन्हें अपनाकर वे वैश्विक जरूरतों को व्यावसायिक रूप से व्यवहारिक संग्रहों और निर्यात ऑर्डर में बदल सकते हैं। दूसरे सेमिनार में एक उद्योग विशेषज्ञ और रणनीतिकार ने प्रतिभागियों को बताया कि ऑटोमोबाइल इंडस्ट्रीज से आई किस तरह से उत्पादन प्लानिंग, उत्पाद विकास, सोर्सिंग, गुणवत्ता नियंत्रण और सप्लाय-चेन प्रबंधन को बदल रही है। साथ ही, ये भी बताया कि निर्यातकों जैसे एआई को जिम्मेदारी से अपनाकर दक्षता और प्रतिस्पर्धा में फायदा उठाने



फेयर-ऑटम 2026 आयोजित किया जा रहा है। इस मेला का आयोजन 13 से 17 अक्टूबर 2026 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में किया जा रहा है। मेला अपने दूसरे दिन में प्रवेश कर चुका है। आयोजन ने एक बार फिर अपने परंपरागत संरक्षकों और पहली बार आए ट्रेड विज़िटर्स-दोनों को बड़ी संख्या में आकर्षित किया है। आगंतुकों, प्रतिभागियों और खरीदारों की उपस्थिति से प्रसन्न ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने बताया, ‘आईएचजीएफ दिल्ली मेला - ऑटम 2026 के दूसरे दिन विश्वभर के खरीदारों की भारी संख्या देखी गई, जिसमें विशेष रूप से यूरोप से उत्साहजनक सहभागिता रही। प्रदर्शकों के स्टॉल पूरे दिन व्यस्त रहे, क्योंकि आगंतुकों ने नए संग्रहों को देखा, इनोवेटिव उत्पाद श्रेणियों की सराहना की और कई ऑर्डर भी फाइनल भी किए। इस संस्करण में हैंडलूम, हस्तशिल्प तथा होम लाइफस्टाइल उत्पादों की थीम-आधारित प्रस्तुतियों अपना विशेष ध्यान खींच रही हैं, जबकि मेले और आगंतुकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की व्यापक सराहना हुई। पहली बार आने वाले कई आगंतुकों ने कहा कि आईएचजीएफ दिल्ली मेले को व्यक्तिगत रूप से देखना भारत के की गुणवत्ता और विविधता की सराहना करते हैं, बल्कि भारतीय उद्यमियों, उद्यम की व्यावसायिकता (प्रोफेशनलिज्म)

ने भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता, विविधता और समग्र आकर्षण को बढ़ाया है।’ आज मेले का दौरा श्री सैयद ज़फर इस्लाम, राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व सांसद (राज्यसभा) ने भी किया। उन्होंने विभिन्न प्रदर्शनी हॉल का भ्रमण किया और भाग ले रहे निर्यातकों से बातचीत की। इस दौरान उन्हें 62वें आईएचजीएफ दिल्ली फेयर-ऑटम 2026 में प्रदर्शित हस्तशिल्प, होम, लाइफस्टाइल, फैशन, फर्निशिंग और फर्नीचर उत्पादों की विविध श्रृंखला के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, उन्हें यह भी बताया गया कि यह मेला भारतीय निर्माताओं, निर्यातकों और कारीगरों को दुनिया भर के खरीदारों और सोर्सिंग प्रोफेशनल्स से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मेले के दौरान एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट्स और सोर्सिंग प्रोफेशनल्स एलायंस ने रणनीतिक सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य निर्यातकों और सोर्सिंग प्रोफेशनल्स के बीच संपर्क को मजबूत करना, बायर-सेलर मीट और बिजनेस नेटवर्किंग को बढ़ावा देना, व्यापार मेलों और प्रदर्शनों में भागीदारी को प्रोत्साहित करना तथा नॉलेज शेयरिंग, क्षमता निर्माण, फिटर से आईएचजीएफ दिल्ली मेले में आई हैं। होम डेकोर और फर्नीचर में रुचि रखने वाली इन खरीदारों को अपने व्यवसाय की

आई हैं। उन्होंने विभिन्न प्रकार के उत्पाद देखे, खास तौर पर होमवेयर और बैग। उन्हें कीमते भी सही और प्रतिस्पर्धी लगीं। उनके मुताबिक कीमते उत्पादों के अनुसार सही बैठती हैं। मिलनसार और स्वागतभरे प्रदर्शकों तथा मेले की अच्छी सुविधाओं की सराहना करते हुए उन्होंने अपने अनुभव को शानदार, सकारात्मक और



सुखद बताया। ऑस्ट्रेलिया से आई जूडिथ मेज़ोन और केट मालवेनन 2024 में आने के बाद देखने हैं। वे भारतीय उत्पादों की कारीगरी, बारीकी और कुशल कारीगरों के कौशल की सराहना करती हैं। इस बार के अपने सकारात्मक अनुभव से उनकी नए संग्रह देखने, प्रदर्शकों से बातचीत करने और भारत में संभावित सोर्सिंग साझेदारी तलाशने में रुचि बनी हुई है। न्यूजीलैंड स्थित लाइफस्टाइल ब्रांड की वनेसा ब्रैमली लगभग 30 वर्षों से आईएचजीएफ दिल्ली मेले में आ रहे हैं और उन्होंने इसे नई दिल्ली में शुरुआती संस्करणों से अब तक विकसित होते देखा है। वे रिटेल और व्यावसायिक ग्राहकों के लिए लाइटिंग, गिफ्टवेयर, क्रिसमस सजावट तथा अन्य उत्पादों की सोर्सिंग करती हैं। उनकी कंपनी के निर्यात में भारत का हिस्सा लगभग 50 प्रतिशत है। वे सभी श्रेणियों में उत्पाद की गुणवत्ता में हुए महत्वपूर्ण सुधार की सराहना करती हैं और इस मेले को सोर्सिंग के लिए एक

के अनुसार कस्टमाइजेशन करने का अवसर देता है। आधुनिक सौंदर्यबोध के महत्वपूर्ण पहलू के साथ ही भारत की असाधारण और बारीक कारीगरी आज भी दुनिया भर के जानकार खरीदारों को आकर्षित करती हैं। कि इससे सकारात्मक और सुखद बताया। ऑस्ट्रेलिया से आई जूडिथ मेज़ोन और केट मालवेनन 2024 में आने के बाद फिर से आईएचजीएफ दिल्ली मेले में आई हैं। होम डेकोर और फर्नीचर में रुचि रखने वाली इन खरीदारों को अपने व्यवसाय की जरूरतों के अनुसार विशेष डिजाइन और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद देखने हैं। वे भारतीय उत्पादों की कारीगरी, बारीकी और कुशल कारीगरों के कौशल की सराहना करती हैं। इस बार के अपने सकारात्मक अनुभव से उनकी नए संग्रह देखने, प्रदर्शकों से बातचीत करने और भारत में संभावित सोर्सिंग साझेदारी तलाशने में रुचि बनी हुई है। न्यूजीलैंड स्थित लाइफस्टाइल ब्रांड की वनेसा ब्रैमली लगभग 30 वर्षों से आईएचजीएफ दिल्ली मेले में आ रहे हैं और उन्होंने इसे नई दिल्ली में शुरुआती संस्करणों से अब तक विकसित होते देखा है। वे रिटेल और व्यावसायिक ग्राहकों के लिए लाइटिंग, गिफ्टवेयर, क्रिसमस सजावट तथा अन्य उत्पादों की सोर्सिंग करती हैं। उनकी कंपनी के निर्यात में भारत का हिस्सा लगभग 50 प्रतिशत है। वे सभी श्रेणियों में उत्पाद की गुणवत्ता में हुए महत्वपूर्ण सुधार की सराहना करती हैं और इस मेले को सोर्सिंग के लिए एक

में मदद ले सकते हैं। आयोजन के आने वाले व्यावसायिक दिनों तथा प्रदर्शकों और आगंतुकों को जोड़ने के लिए ईपीसीएच द्वारा आयोजित योजनाबद्ध सहायक कार्यक्रमों पर बात करते हुए ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत ने कहा, ‘ईपीसीएच के आयोजनों पर अंतरराष्ट्रीय खरीदारों का निरंतर विश्वास इसी बात से स्पष्ट है कि वे तीन दशकों से अधिक समय से आईएचजीएफ दिल्ली मेले में नियमित रूप से भाग ले रहे हैं। इस संस्करण की शुरुआत भी जोशपूर्ण रही है-सक्रिय खरीदार पंजीकरण और पूरे स्थल पर जीवंत और शानदार माहौल देखा जा रहा है। यहां व्यस्त हॉल और अर्थपूर्ण व्यावसायिक बातचीत का वातावरण भी लगातार बना हुआ है। आगामी दिनों और ईपीसीएच द्वारा प्लान की गयी गतिविधियों से खरीदारों और प्रदर्शकों के बीच संपर्क तथा व्यापारिक अवसरों को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद है।’ ईपीसीएच देश से विश्व के विभिन्न गंतव्यों तक हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और विदेश में भारत की छवि को उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प के विश्वसनिय आपूर्तिकर्ता के रूप में प्रस्तुत करने के लिए एक नोडल संस्थान है। इस अवसर पर ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान हस्तशिल्प का कुल निर्यात 33,168 करोड़ रुपये (3,754 मिलियन डॉलर) रहा।



की भी सराहना करते हैं। उन्होंने कहा, ‘वर्षों से हस्तशिल्प क्षेत्र विशेषकर होम एंड लाइफस्टाइल उत्पाद क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसमें समावेश तथा डिजाइन, उत्पादन, विपणन और प्रौद्योगिकी में हुई प्रगति को अपनाया गया है। आईएचजीएफ के माध्यम से हम अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के सर्वश्रेष्ठ की मांग पूरी कर रहे हैं। हमारे कई दीर्घकालिक खरीदार, जो वर्षों से भारत से सोर्सिंग कर रहे हैं, इस परिवर्तन को स्वयं देख चुके हैं। वे भारतीय विक्रेताओं की

निर्यातकों के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नई व्यावसायिक संभावनाएं और बेहतर बाजार पहुंच विकसित करने में मदद मिलेगी। इस आयोजन में शिकरत कर रहे जर्मनी के खरीदार जैन फिलिप, जो पहली बार आईएचजीएफ दिल्ली मेले में होम डेकोर उत्पाद-विशेष रूप से कैंडल होल्डर-देखने आए हैं, ने कहा कि वे मेले में उत्पादों की और ज्यादा और विविध श्रेणियों देखना चाहते हैं और भविष्य में होने वाले मेले के संस्करणों में फिर आने की

जरूरतों के अनुसार विशेष डिजाइन और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद देखने हैं। वे भारतीय उत्पादों की कारीगरी, बारीकी और कुशल कारीगरों के कौशल की सराहना करती हैं। इस बार के अपने सकारात्मक अनुभव से उनकी नए संग्रह देखने, प्रदर्शकों से बातचीत करने और भारत में संभावित सोर्सिंग साझेदारी तलाशने में रुचि बनी हुई है। न्यूजीलैंड स्थित लाइफस्टाइल ब्रांड की वनेसा ब्रैमली लगभग 30 वर्षों से आईएचजीएफ दिल्ली मेले में आ रहे हैं और उन्होंने इसे नई दिल्ली में शुरुआती संस्करणों से अब तक विकसित होते देखा है। वे रिटेल और व्यावसायिक ग्राहकों के लिए लाइटिंग, गिफ्टवेयर, क्रिसमस सजावट तथा अन्य उत्पादों की सोर्सिंग करती हैं। उनकी कंपनी के निर्यात में भारत का हिस्सा लगभग 50 प्रतिशत है। वे सभी श्रेणियों में उत्पाद की गुणवत्ता में हुए महत्वपूर्ण सुधार की सराहना करती हैं और इस मेले को सोर्सिंग के लिए एक

के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष भूतपूर्व सैनिक ब्योहारी में हुआ भव्य स्वागत

सरकार एवं केन्द्र सरकार को

ईमानदार पार्टी है हमारे राष्ट्रीय



जमकर निशाना साधते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी एक

संगठन को तैयार कर जनता को जागरूक करने का संकल्प

राजभाषण पाण्डेय का लिया और सभी कार्यकर्ताओं एवं जनमानस को आम आदमी पार्टी से जुड़ने की अपील कर सभी देश के चौथे स्तम्भ पत्रकार साथियों का सम्मान कर जन जन तक आम आदमी पार्टी के विचार पहुंचाने

का काम करेंगे इस अवसर अ ज ज जिला अध्यक्ष राजमणि साकेत, जिला उपाध्यक्ष मृगेन्द्र सिंह गुप्ता, विधान सभा संगठन हरीश गुप्ता, भूपेन्द्र श्री वास्तव, राजेश पटेल, मुकेश तिवारी, अर्जुन समदरिया, बेटू शुक्ला, पवन वैशा, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश- सीजेपी प्रोटैस्ट का सीसीटीवी सुरक्षित रखें-प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई पर केंद्र को नोटिस: मेट्रो-इंटरनेट बंद करने पर सरकार माफी मांग चुकी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सीजेपी प्रदर्शन के दौरान मेट्रो स्टेशन और इंटरनेट बंद करने और जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने के मामले पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा- हम 10 अक्टूबर को

बेंच ने प्रदर्शनकारियों, पत्रकारों और केंद्र के एक्शन पर से जुड़े 9 अलग-अलग मामलों पर सुनवाई की। प्रदर्शनकारियों पर: सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शनों के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई से जुड़े सभी मामलों में नोटिस जारी किया



जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई पर केंद्र को नोटिस जारी कर रहे हैं। उन्हें इसका जवाब देना होगा। इसके साथ ही कोर्ट ने जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल से हटाने के फैसले पर भी सरकार को नोटिस दिया है। कोर्ट ने 10 अक्टूबर को सीजेपी प्रदर्शन पर कहा कि उस दिन के सभी सीसीटीवी फुटेज संभालकर रखे जाएं। इससे पहले केंद्र सरकार ने 10 अक्टूबर को दिल्ली में इंटरनेट बंद करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी थी। गृह सचिव गोविंद मोहन ने कोर्ट को दिए हलफनामे में कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अफवाह रोकने के लिए यह कदम उठाना पड़ा। विपक्ष और प्रदर्शनकारियों की तरफ से कोर्ट में गोपाल शंकरनारायणन, कपिल सिब्बल और मेनका गुरुस्वामी ने दलील रखी। वहीं, सरकार का पक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और गौरव भाटिया रख रहे हैं। कोर्ट ने प्रदर्शनकारियों, पत्रकारों और केंद्र के एक्शन पर टिप्पणी की, 4 बातें-सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की

है। कोर्ट ने पुलिस और एजेंसियों को आदेश दिया है कि वे प्रदर्शन से जुड़ी सभी सीसीटीवी और डिजिटल फुटेज को सुरक्षित रखें। महिला पत्रकारों के साथ हिंसा पर: सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह महिला पत्रकारों के साथ पुलिस मारपीट के आरोपों की जांच के लिए एक समिति बनाएगा। इसके साथ ही कोर्ट ने एक महिला पत्रकार की गिरफ्तारी पर रोक लगाने का सीधा निर्देश दिया है। प्रदर्शनस्थल पर: जंतर-मंतर को प्रदर्शनस्थल की सूची से हटाने (डी-नोटिफाई करने) के मामले में कोर्ट ने केंद्र को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने पूछा है कि यह फैसला अदालत की किसी पुरानी मौखिक टिप्पणी के कारण लिया गया या इसके पीछे सरकार का कोई स्वतंत्र आकलन है। केंद्र के एक्शन पर: कोर्ट ने प्रदर्शनों पर हुई कार्रवाई और मतदाता सूची से नाम काटे जाने (वोटर डिलीशन) के मामले में केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को इन सभी मामलों में अपना जवाबी हलफनामा (काउंटर-एफिडेविट) दायर करने का निर्देश दिया है।

विधान परिषद निर्वाचन-2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेटों को दिया गया प्रशिक्षण मतदान दिवस पर लगातार भ्रमणशील रहकर निर्वाचन प्रक्रिया पर नजर रखें सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट-जिला निर्वाचन अधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश विधान

असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि मतदान दिवस पर सेक्टर एवं

मतदान प्रक्रिया के विभिन्न चरणों, पोलिंग एजेंटों को प्रवेश पास जारी



परिषद निर्वाचन-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में सेक्टर मजिस्ट्रेटों

जोनल मजिस्ट्रेट लगातार भ्रमणशील रहकर निर्वाचन प्रक्रिया का जायजा लेते रहे तथा मतदान से संबंधित सभी व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी बनाए रखें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने अवगत कराया कि

करने, उनकी उपस्थिति में मतपेटी तैयार करने तथा मतदान अभिकर्ताओं के बैठने की निर्धारित प्राथमिकता के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही निर्देशित किया गया कि पोलिंग एजेंट निर्वाचक नामावली

मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी, निर्धारित समय पर मतदान प्रारंभ कराने के निर्देश

एवं जोनल मजिस्ट्रेटों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे मतदान दिवस से पूर्व अपने निर्धारित क्षेत्रों एवं मतदेय स्थलों का भ्रमण कर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण सुनिश्चित कर लें, ताकि मतदान के दौरान किसी प्रकार की

सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था की गई है। उन्होंने निर्देशित किया कि मतदान से संबंधित सभी आवश्यक औपचारिकताएं समय से पूर्ण कराते हुए निर्धारित समय पर मतदान प्रारंभ कराया जाए तथा मतदान प्रारंभ होने की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराई जाए। प्रशिक्षण के दौरान

की चिन्हित प्रति मतदान समाप्ति तक मतदेय स्थल से बाहर नहीं जाएंगे। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वागीश कुमार शुक्ला, सहायक निर्याचन अधिकारी श्री जगन्म पटेल, अपर जिलाधिकारी नामांगि गंगे श्री रोहित यादव, अपर जिलाधिकारी न्यायिक श्री रमेश चंद्र सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने नगर पंचायत सलोन के अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन की मतगणना का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा मतगणना प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं का किया अवलोकन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने आज नगर पंचायत सलोन के रिक्त अध्यक्ष पद पर सम्पन्न हुए उप निर्वाचन की जारी मतगणना के दृष्टिगत मतगणना स्थल सर्वोदय विद्यापीठ इंटर कॉलेज, सलोन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतगणना प्रक्रिया का जायजा लेते हुए मतगणना स्थल पर की



गई व्यवस्थाओं एवं सुरक्षा प्रबंधों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मतगणना से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा मतगणना प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मतगणना स्थल पर निर्वाचन प्रक्रिया की सुचारु व्यवस्था बनाए रखने तथा सुरक्षा व्यवस्था

पर सतर्क दृष्टि बनाए रखने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए, जिससे मतगणना का कार्य सुव्यवस्थित एवं सफुल्ल ढंग से सम्पन्न हो सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक पवन गौतम, उप जिलाधिकारी न्यायिक श्री रमेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बेटा अपने खिलौने किसी को नहीं देता:क्या 5 साल की उम्र में ये नॉर्मल है या हमारी गलती है, उसे शेयरिंग कैसे सिखाएं

मुंबई। सवाल- मैं 33 साल की हूँ। मेरा 5 साल का बेटा दोस्तों के साथ खेलते समय अपने खिलौने शेयर नहीं करता। अगर कोई बच्चा उसका खिलौना लेने की कोशिश करे तो वह तुरंत गुस्सा हो जाता है और कहता है, 'ये मेरा है।' हम उसे समझाते हैं कि दोस्तों के साथ खिलौने

को अपनी हर चीज दूसरों के साथ शेयर करनी चाहिए। लेकिन हेल्दी सोशल बिहेवियर का मतलब यह नहीं है कि बच्चे को हर बार अपनी चीज छोड़ देनी चाहिए। उसे यह भी सीखना है कि किसी की चीज लेने से पहले अनुमति मांगनी चाहिए। इसलिए अगर दूसरा बच्चा उसके

सुरक्षित लौटाएं। अपना फूड शेयर करें। चॉकलेट- आइसक्रीम शेयर करें। बच्चे को धीरे-धीरे अडॉप्ट करने दें। उसकी कोशिश की तारीफ करें। उसे जज न करें न दूसरों से तुलना करें। बच्चे को गुस्सा आए तो क्या करें? जब बच्चा गुस्से में हो तो उस समय लंबा भाषण देना काम नहीं करता। पहले उसकी भावना को समझें और कहें- 'तुम नाराज हो, क्योंकि तुम्हारा खिलौना किसी ने ले लिया।' फिर बताएं- 'गुस्से में खिलौना देने छीनना या किसी को मारना गलत है।' बच्चे को शांत होने का थोड़ा समय दें। बाद में उसे बताएं कि अगली बार वह ऐसी स्थिति में क्या करे। उसे बताएं कि ऐसे समय में ये बातें बोल सकते हैं, जैसेकि- 'पहले मेरी बारी है', 'तुम पांच मिनट बाद लेना' या 'मुझे पूछकर लो।' अगर कोई सामान या खिलौना छीनने पर बच्चा गुस्सा हो तो कुछ बातों का ख्याल रखें- बच्चा गुस्सा हो तो क्या करें? अच्छे व्यवहार की तारीफ करें। पहले खुद शांत रहें। बच्चे को समय दें। गलत व्यवहार

शेयर करने चाहिए, लेकिन वह मानता नहीं है। परिवार के लोग इसे उसकी जिंदगी और स्वार्थी व्यवहार मानते हैं। क्या 5 साल की उम्र में बच्चे का चीजें शेयर न करना सामान्य है? हम उसे बिना डांटे शेयर करना कैसे

हाथ से खिलौना छीन रहा है तो पेरेंट्स केवल अपने बच्चे को 'शेयर करो' न कहें। दूसरे बच्चे को भी समझाएं- 'पहले पूछो, फिर खिलौना लो।' इससे बच्चा सीखता है कि दूसरों की सीमाओं का सम्मान करना भी

रोकें। उसकी फीलिंग समझें। शांत होने पर बात करें। मिलकर समाधान खोजें। सही तरीका बताएं। गुस्से की वजह पूछें। तुलना से आती नफरत- तुलना बच्चे में नफरत और प्रतिस्पर्धा बढ़ा सकती है, जैसेकि- 'देखो, बाकी बच्चे कितने अच्छे हैं।' 'तुम्हारी बहन तो शेयर करती है।' 'तुम्हारा दोस्त कितना समझदार है।' इसके बजाय बच्चे के अच्छे व्यवहार की तारीफ करें। अगर बच्चे ने पांच मिनट बाद खिलौना दूसरे बच्चे को दिया तो कहें- 'तुमने अपनी बारी पूरी होने के बाद खिलौना दिया। तुमने इंतजार करना सीखा।' यानी बच्चे को अच्छा या बुरा कहने की बजाय उसके खास व्यवहार को पहचानें। 5 साल के बच्चे अपनी चीजों को लेकर थोड़े पजेसिव होते हैं। लेकिन बच्चे पर दबाव डालकर या उसे डांटकर अपनी चीजें साझा करना नहीं सिखा सकते। इसके लिए आपको खुद रोल मॉडल बनना होगा। धैर्य रखिए, बच्चा धीरे-धीरे सीखेगा। पर के माहौल का भी पड़ता असर-अगर

सिखाएं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- रिडि दोषी पटेल, साइइड एंड पेरेंटिंग साइकोलॉजिस्ट, मुंबई जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। जवाब- सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। सबसे पहले समझना जरूरी है कि यह अपने आप में स्वाभाविक व्यवहार नहीं है। दरअसल, इस उम्र में बच्चा अपनी पसंद, अपनी चीजों और अपनी सीमाओं को लेकर काफी स्पष्ट होता है। वह यह समझने लगता है कि 'यह मेरा है', लेकिन वह अभी कई चीजें सीख रहा होता है, जैसेकि-परिस्थिति के अनुसार अपनी इच्छा को रोकना। दूसरे की जरूरत समझना। बारी का इंतजार करना। ऐसे में जब बच्चा किसी दूसरे बच्चे को अपना खिलौना देने से मना करे तो पेरेंट्स को तुरंत ये बातें नहीं कहनी चाहिए, जैसेकि- 'तुम स्वार्थी हो।' 'तुम बहुत जिद्दी हो।' 'अच्छे बच्चे शेयर करते हैं।' इससे बच्चे को यह मैसेज मिलता है कि अपनी चीजों या भावनाओं को व्यक्त करना गलत है। असल वजह समझना जरूरी- कई बार बच्चे को खिलौना शेयर करने से ज्यादा परेशानी इस बात से होती है कि दूसरा बच्चा उसकी चीज बिना पूछे ले रहा है। दोनों परिस्थितियों में अंतर है। ऐसे में बच्चे से पूछें- 'तुम अभी यह खिलौना किसी को नहीं देना चाहते?' या 'तुम्हें डर है कि दूसरा बच्चा इसे खराब कर देगा?' उसका जवाब ध्यान से सुनें। अगर वह खिलौना उस समय खुद इस्तेमाल कर रहा है तो उसे तुरंत छीनकर दूसरे बच्चे को न दें। आप कह सकते हैं- 'अभी तुम खेल रहे हो। जब तुम्हारा खेल पूरा हो जाए तो हम दूसरे बच्चे को बारी रखेंगे।' इससे बच्चे को लगता है कि उसकी भावनाएं सुनी व समझी जा रही हैं। आप अपनी चीजें न दे तो क्या करें? तुरंत डांटें नहीं। पहले उसकी बात सुनें। असल वजह पूछें। समाधान बताएं। शेयर करने पर तारीफ करें। कारण समझें। जबदस्ती न करें। शेयर करने और अपनी चीज बचाने में फर्क-पेरेंट्स अवसर मान लेते हैं कि बच्चे

उदाहरण के लिए- बच्चे को स्नैक देते समय पूछें- 'क्या तुम इसमें से थोड़ा पापा को देना चाहोगे?' अगर वह मना करे तो उसे शर्मिंदा न करें। बोर्ड गेम, गेंद या दूसरे खेलों में 'मेरी बारी-तुम्हारी बारी' का अभ्यास कराया जा सकता है। इससे बच्चा समझता है कि शेयर करने का अर्थ अपनी चीज हमेशा के लिए छोड़ देना नहीं है। कई बार इसका अर्थ केवल कुछ समय के लिए अपनी बारी देना होता है। 'यह खिलौना अभी दोस्त को दो' कहने की बजाय बच्चे को दो विकल्प दें। उदाहरण के लिए- 'तुम यह कार अभी देना चाहते हो या पांच मिनट बाद?' इससे बच्चे को नियंत्रण का अनुभव होता है। अगर कुछ खिलौने उसके लिए स्पेशल हैं तो खेलने से पहले उन्हें अलग रख देना भी अच्छा तरीका है। उसे बताएं- 'ये तुम्हारे खास खिलौने हैं। इन्हें अभी हम अलमारी में रख देते हैं। बाकी खिलौनों से दोस्त खेल सकते हैं।' इससे हर मूलकात में संघर्ष कम होगा। बच्चे को शेयरिंग सिखाने के लिए कुछ आसान तरीके अपना सकते हैं- बच्चे को साझेदारी कैसे सिखाएं? अपनी चीजें शेयर करें। घर से शुरुआत करें। साथ मिलकर खेलें। बच्चे से चीजें उधार मांगें। जैसेकि पेंसिल, पेन, कटर यूज करके

घर में बच्चे की हर हिमांश तुरंत पूरी होती है या उसे कभी इंतजार करना नहीं पड़ता तो उसे अपनी इच्छा रोकना कठिन लग सकता है। दूसरी तरफ, अगर घर में उसकी चीजें बार-बार बिना पूछे इस्तेमाल की जाती हैं तो वह उन्हें लेकर ज्यादा पजेसिव हो सकता है। बच्चे इस उम्र में उपदेश से ज्यादा देखकर सीखते हैं। इसलिए पहले पेरेंट्स खुद रोल मॉडल बनें। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें- पेरेंट्स खुद रोल मॉडल कैसे बनें? पहले सही काम खुद करें। अपनी चीजें शेयर करें। बोलकर नहीं, अपने एक्शन से। बच्चे के सामने उदाहरण रखें। लेकिन उसकी परमिशन लें। बच्चे के सामने शांत प्यार और धैर्य से पेश आएँ। बच्चे की चीजें भी लें। यूज करके सुरक्षित लौटाएं। अंतिम बात- अभी आपका बेटा 5 साल का है। आपका लक्ष्य बच्चे को हर चीज शेयर करवाना नहीं, बल्कि उसे साझा करना, बारी का इंतजार करना, अपनी सीमा बताना, दूसरे की सीमा समझना और गुस्से को संभालना सिखाना है। पांच साल की उम्र में ये स्किल्स अभी विकसित हो रही होती हैं। इसलिए धैर्य, नियमित अभ्यास और माता-पिता का सही उदाहरण डांट से ज्यादा प्रभावी रहेगा।

विशेष साक्षात्कार:- ठाकुर रतन सिंह-मिर्जापुर के गाँव गलरीया से अभिनय की दुनिया तक का सफर

प्रश्न 1. ठाकुर रतन सिंह जी, सबसे पहले अपने पाठकों को अपने बारे में कुछ बताइए। आपका बचपन और शुरुआती जीवन कैसा रहा? मेरा नाम ठाकुर रतन सिंह है। मेरे पिता जी का नाम श्री सुरेन्द्र सिंह (पिन्टू सिंह) जी है मेरा जन्म उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के एक छोटे से गाँव गलरीया में बहुत ही सम्मानित एवम् संस्कारी परिवार में हुआ। बचपन से ही मेरे मन में फिल्मों दुनिया में जाने और एक अभिनेता के रूप में अपनी पहचान बनाने की इच्छा थी। मैंने हमेशा यही सपना देखा कि एक दिन मुझे भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। आज मैं अपने उसी सपने को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा हूँ। मेरे लिए यह सफर सिर्फ अभिनय तक पहुँचने का नहीं, बल्कि अपने सपनों को सच करने का सफर भी है। प्रश्न 2. अभिनय की दुनिया में आने का विचार आपके मन में कैसे आया? फिल्मी दुनिया में जाने की इच्छा मेरे मन में बचपन से ही थी। अभिनय के प्रति मेरा लगाव ऐसा था कि मैं हमेशा सोचता था कि एक दिन मुझे भी फिल्मों में काम करने का मौका मिलेगा। समय के साथ यह इच्छा मेरे जीवन का लक्ष्य बन गया। मैंने तय किया कि परिस्थितियों कैसी भी हों, मुझे अपने सपने के लिए कोशिश करते रहना है। प्रश्न 3. हंगामा ओटीटी तक पहुँचने का आपका सफर कैसा रहा? क्या इसके पीछे कोई खास संघर्ष या प्रेरणा रही? मेरा सफर आसान नहीं था शुरुआत में मुझे कई जगह रिजेक्शन का सामना करना पड़ा और मुझे कई बार असफलता भी मिली। लेकिन मैंने अपने सपने को छोड़ने के बजाय कोशिश जारी रखी। मुझे विश्वास था कि अगर मैं मेहनत करता रहूँगा, तो एक दिन मुझे अच्छा अवसर जरूर मिलेगा। आखिरकार मुझे एक अच्छे प्रोजेक्ट और प्लेटफॉर्म पर काम करने का अवसर मिला। मेरे लिए यह माँका बहुत मायने रखता है, क्योंकि इसके पीछे लंबे समय से देखा हुआ सपना और लगातार प्रयास जुड़े हैं। प्रश्न 4. आपके परिवार की आपके अभिनय करियर को लेकर क्या प्रतिक्रिया रही? मेरे परिवार और मेरा सपना एक ही है कि मैं फिल्मी दुनिया में आगे बढ़ूँ, अपनी पहचान बनाऊँ और अपने परिवार का नाम रोशन करूँ। मैं चाहता हूँ कि मेरी मेहनत और काम से मेरे परिवार को गर्व महसूस हो। मेरे लिए परिवार और अपने लोगों का सम्मान बहुत मायने रखता है। मैं अपने सपने को पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करना चाहता हूँ। प्रश्न 5. अभिनय के क्षेत्र में आपको सबसे ज्यादा किस व्यक्ति ने प्रेरित किया? मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा बचपन से देखा हुआ मेरा सपना है। मैं हमेशा फिल्मी दुनिया में अपनी पहचान बनाना चाहता था। और मैं स्वीकृत 'अमरीश पुरी' जी और यश (रॉकी भाई) को। मैं काफी समय से देखता एवम् उनसे सीखता आ रहा कि हु इन दोनों अभिनेता से मुझे बहुत प्रेरणा मिली है। प्रश्न 6. जब आपने पहली बार कैमरे का सामना किया, तो आपका अनुभव कैसा था? किसी भी कलाकार के लिए कैमरे के सामने काम करना एक महत्वपूर्ण अनुभव होता है। कैमरे के सामने काम कर के मुझे मेरी काफी गलतियों के बारे में पता चला जिसका मैं सुधार कर पाया और अपने आप को और अच्छे से निखार पाया-भाग 2: प्रयागराज की लव स्टोरी प्रश्न 7. आपकी प्रेम कहानी की शुरुआत कहाँ और कैसे हुई? मेरी जीवन में कोई निजी प्रेम कहानी नहीं है जो भी पढ़ें पर दिखेगी वह वह एक काल्पनिक कहानी है। प्रयागराज की लव स्टोरी की मुख्य कहानी प्रयागराज से जुड़ी है। इसमें एक प्रेमी अपनी प्रेमिका को पाने के लिए कई चुनौतियों का सामना करता है। प्रश्न 8. क्या आपकी प्रेम कहानी वास्तविक जीवन से प्रेरित है या यह पूरी तरह काल्पनिक कहानी है? मेरी प्रेम कहानी वास्तविक जीवन से प्रेरित नहीं है यह पूरी तरह काल्पनिक कहानी है-प्रश्न 9. आपकी नजर में सच्चा प्यार क्या है-एक-दूसरे को पाना या एक-दूसरे को समझना? मेरी नजर में सच्चा प्यार सिर्फ किसी को पा लेना नहीं है, बल्कि एक-दूसरे की

भावनाओं को समझने और उनका सम्मान करना है। प्यार में विश्वास, ईमानदारी और समर्पण बहुत जरूरी हैं। किसी रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए दोनों लोगों का एक-दूसरे को समझना बहुत जरूरी है। मेरे हिसाब से सच्चे प्यार की खूबसूरती इसी में है। प्रश्न 10. प्रेम में विश्वास, समर्पण



और त्याग की कितनी अहमियत है? प्रेम में विश्वास, समर्पण और त्याग की बहुत अहमियत है। जब दो लोग एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में भी एक-दूसरे का सम्मान बनाए रखते हैं, तो उनका रिश्ता मजबूत होता है। मेरी नजर में प्यार का अर्थ चुनौतियों से भागना नहीं, बल्कि उन्हें समझदारी और आपसी विश्वास के साथ पार करना है। प्रश्न 11. आज के सोशल मीडिया और ओटीटी के दौर में रिश्तों को निभाना कितना चुनौतीपूर्ण हो गया है? आज सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने के बहुत सारे रास्ते दिए हैं, लेकिन किसी भी रिश्ते की मजबूती केवल ऑनलाइन बातचीत से तय नहीं होती। रिश्तों में समय देना, एक-दूसरे की बात सुनना और भरोसा बनाए रखना जरूरी है। मेरे हिसाब से तकनीक चाहे कितनी भी आगे बढ़ जाए, सच्चे रिश्तों में भावनाओं और आपसी समझ की अहमियत हमेशा बनी रहनी चाहिए-प्रश्न 12. क्या आपको लगता है कि आज की युवा पीढ़ी प्यार को पहले की तुलना में अलग नजरिए से देखती है?हर पीढ़ी का प्यार को देखने का अपना तरीका होता है। आज के युवा अपने रिश्तों में समझ, सम्मान और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को भी महत्व देते हैं। मेरे हिसाब से प्यार के इजहार का तरीका बदल सकता है, लेकिन सच्चाई, विश्वास और एक-दूसरे के प्रति ईमानदारी होना बहुत जरूरी है प्रश्न 13. आपकी प्रेम कहानी का ऐसा कौन-सा पहलू है, जो दर्शकों के दिल को सबसे ज्यादा छू सकता है? इस कहानी का सबसे भावनात्मक पहलू यह है कि एक प्रेमी अपनी प्रेमिका को पाने के लिए कई चुनौतियों से लड़ता है और अपने प्यार को हासिल करने की कोशिश करता है। प्रश्न 14. अगर आपको अपनी प्रेम कहानी को एक पंक्ति में बयां करना हो, तो आप क्या कहेंगे? व्यक्तिगत जीवन में तो मेरी कोई प्रेम कहानी नहीं है लेकिन परदे की बात की जाए तो मैं इसे एक पंक्ति में ऐसे कहना चाहूँगा- 'यह एक ऐसे प्यार की कहानी है, जो चुनौतियों के सामने हार नहीं मानता और अपने मुकाम तक पहुँचने के लिए लगातार संघर्ष करता है।'भाग 3: हंगामा ओटीटी और अभिनय-प्रश्न 15. हंगामा ओटीटी पर काम करने का अवसर आपको कैसे मिला? मुंबई से कुछ कास्टिंग डायरेक्टर प्रयागराज आए हुए थे। उन्हें अपने प्रोजेक्ट के लिए कलाकारों की जरूरत थी। उन्होंने मैं से सिलमर पांडे जी ने मुझे इस रोल के लिए चुना और कास्ट किया। मेरे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण अवसर था, क्योंकि मैं बचपन से फिल्मी दुनिया में जाने का सपना देखता आया हूँ। मैं इस अवसर को अपने अभिनय के सफर में एक महत्वपूर्ण कदम मानता हूँ। प्रश्न 16. इस प्रोजेक्ट में अपने किरदार के लिए आपने किस तरह तैयारी की? किसी भी किरदार को निभाने के लिए उसकी भूमिका और कहानी को समझना जरूरी होता है। मेरा प्रयास रहता है कि मैं अपने किरदार को अच्छे से समझूँ और उसे स्वाभाविक तरीके से पढ़ें पर प्रस्तुत करूँ। मैं हर अवसर से सीखने और अपने अभिनय को बेहतर बनाने की कोशिश करता हूँ, ताकि दर्शकों को मेरा काम पसंद आए। प्रश्न 17. क्या इस भूमिका के लिए आपको अपने व्यक्तित्व या बोलने के अंदाज में कोई बदलाव करना पड़ा? कलाकार को कहानी और भूमिका के अनुसार अपने संवाद, हाव-भाव और प्रस्तुति पर ध्यान देना पड़ता है। मेरे लिए भी जरूरी है कि मैं अपने किरदार को समझकर उसे सही तरीके से निभाऊँ। मैं चाहता हूँ कि पढ़ें पर मेरा अभिनय स्वाभाविक लगे और दर्शक किरदार से जुड़ सकें। प्रश्न 18. शूटिंग के दौरान कोई ऐसा अनुभव रहा, जिसे आप हमेशा याद रखना चाहेंगे? मेरे लिए इस प्रोजेक्ट से जुड़ना ही एक यादगार अनुभव है, क्योंकि यह मेरे बचपन के सपने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रोजेक्ट में मैं काफी अनुभवी और प्रसिद्ध अभिनेताओं के साथ काम किया हु इस प्रोजेक्ट के लिए चुना जाना मेरे लिए खास मायने रखता है। मैं इस अवसर को अपने सफर का अहम हिस्सा मानता हूँ प्रश्न 19. ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काम करने और पारंपरिक सिनेमा में काम करने के बीच आप क्या अंतर महसूस करते हैं? मेरे हिसाब से ओटीटी और पारंपरिक सिनेमा दोनों कलाकारों के लिए महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ओटीटी के जरिए कहानियाँ अलग-अलग जगहों के कलाकारों के लिए महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ओटीटी के जरिए कहानियाँ अलग-अलग जगहों के दर्शकों के दिल तक पहुँच सकती हैं। सिनेमा का अपना अलग अनुभव और आकर्षण है। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण अच्छी कहानी, अच्छा किरदार और अपने अभिनय से दर्शकों के दिल तक पहुँचना है।प्रश्न 20. दर्शकों से अब तक किस तरह की प्रतिक्रियाएँ मिली हैं? दर्शकों की प्रतिक्रिया किसी भी कलाकार के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती है। दर्शकों द्वारा मुझे अभी तक बहुत ही अच्छा सकारात्मक एवम् उत्साहित करने वाली प्रतिक्रिया मिली है मैं चाहता हूँ कि मेरा काम लोगों तक पहुँचे और वे मेरे अभिनय को ऐसे ही पसंद करते रहे. प्रश्न 21. क्या भविष्य में आप रोमांटिक कहानियों के अलावा एक्शन, सामाजिक विषयों या पारिवारिक फिल्मों में भी नजर आना चाहेंगे?बिल्कुल, मैं भविष्य में अलग-अलग तरह के किरदार निभाना चाहूँगा। एक कलाकार के रूप में मैं अपने अभिनय की क्षमताओं को बढ़ाना और नए भूमिकाओं में खुद को साबित करना चाहता हूँ। रोमांटिक कहानियों के साथ-साथ एक्शन, सामाजिक विषयों और पारिवारिक कहानियों में भी काम करने का अवसर मिले, तो मैं पूरी मेहनत और लगन से उसे निभाना चाहूँगा।भाग 4: निजी जिंदगी और व्यक्तित्व प्रश्न 22. पढ़ें पर दिखने वाले ठाकुर रतन सिंह और वास्तविक जीवन के रतन सिंह में क्या अंतर है? पढ़ें पर मैं एक किरदार निभाता हूँ, जबकि वास्तविक जीवन में मैं ठाकुर रतन सिंह हूँ, जिसका बचपन मिर्जापुर जिले के गाँव गलरीया में बीता और जिसने बचपन से फिल्मी दुनिया में जाने का सपना देखा। अभिनय मुझे अलग-अलग किरदार निभाने का अवसर देता है, लेकिन मेरी अपनी पहचान मेरे जीवन के अनुभवों और मेरे लक्ष्य से जुड़ी है। मैं चाहता हूँ कि अपनी असली पहचान बनाए रखते हुए अभिनय की दुनिया में आगे बढ़ूँ। प्रश्न 23. क्या वास्तविक जीवन में भी आप उतने ही रोमांटिक हैं, जितना दर्शक आपको पढ़ें पर देखते हैं? पढ़ें पर रोमांस एक किरदार और कहानी का हिस्सा होता है। वास्तविक जीवन में प्यार को लेकर मेरा मानना है कि किसी भी रिश्ते में ईमानदारी, विश्वास और सम्मान सबसे जरूरी है। पढ़ें पर कलाकार को भावनाओं को अभिनय के माध्यम से व्यक्त करना होता है, जबकि वास्तविक जीवन में रिश्तों की अहमियत हमारे व्यवहार से दिखाई देती है। प्रश्न 24. सफलता मिलने के बाद आपकी जिंदगी में क्या बदलाव आए हैं? मेरे लिए यह सफर अभी अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर है। मैं इसे अपनी मंजिल नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण कदम मानता हूँ। दर्शकों द्वारा मेरी

प्रशंसा होती है मेरा सपना है कि मैं फिल्मी दुनिया में लगातार आगे बढ़ूँ और अपने काम से अपनी पहचान बनाऊँ। मैं जानता हूँ कि इसके लिए मुझे आगे भी कड़ी मेहनत करनी होगी-प्रश्न 25. आलोचनाओं और नकारात्मक टिप्पणियों का सामना आप किस तरह करते हैं? मेरे सफर में शुरुआत में कई बार रिजेक्शन और असफलता का सामना करना पड़ा। इन अनुभवों ने मुझे यह समझाया कि हर बार सफलता मिलना जरूरी नहीं, लेकिन कोशिश करते रहना जरूरी है। मैं आलोचनाओं से सीखने और अपनी कमियों को सुधारने में विश्वास रखता हूँ। मेरा ध्यान अपने लक्ष्य पर है और अब मैं नकारात्मक चीजों पे ध्यान नहीं देता हूँ प्रश्न 26. आपके लिए परिवार किरियर और दोस्ती तीनों बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। मेरा और मेरे परिवार का सपना है कि मैं फिल्मी दुनिया में आगे बढ़ूँ और अपनी मेहनत से परिवार का नाम रोशन करूँ। और मेरे दोस्त हमेशा खुश दुख में मेरे साथ खड़े रहते हैं मैं अपने जीवन में सफलता हासिल करना चाहता हूँ, लेकिन साथ ही अपने परिवार दोस्त एवम् सपनों को भी महत्व देता हूँ। प्रश्न 27. क्या कभी ऐसा समय आया, जब आपने अभिनय छोड़ने के बारे में सोचा हो? शुरुआत में मुझे कई जगह रिजेक्शन मिला और असफलताओं का सामना करना पड़ा। किसी भी इंसान के लिए बार-बार निराशा का सामना करना आसान नहीं होता। लेकिन फिल्मी दुनिया में जाने का मेरा सपना बचपन से था, इसलिए मैंने कोशिश जारी रखी। आखिरकार मुझे एक अच्छे प्रोजेक्ट और प्लेटफॉर्म पर अवसर मिला। मेरा मानना है कि अगर किसी लक्ष्य के प्रति सच्चा जुनून हो, तो इक दिन सफलता जरूर मिलती है भाग 5: प्रयागराज, युवा और भविष्य प्रश्न 28. प्रयागराज की मिट्टी और यहाँ की संस्कृति ने आपके व्यक्तित्व को किस तरह प्रभावित किया? मेरा जन्म मिर्जापुर जिले के गाँव गलरीया में हुआ, लेकिन प्रयागराज मेरे अभिनय के सफर में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मुंबई से आए कास्टिंग डायरेक्टर प्रयागराज में ही कलाकारों की तलाश कर रहे थे, जहाँ मुझे यह अवसर मिला। इस वजह से प्रयागराज मेरे लिए एक खास महत्व रखता है। मैं चाहता हूँ कि इस शहर से जुड़ा मेरा काम आगे भी मेरी पहचान बनाने में योगदान दे। प्रश्न 29. प्रयागराज के उन युवाओं को आप क्या संदेश देना चाहेंगे, जो अभिनय की दुनिया में अपना नाम बनाना चाहते हैं? मैं सभी युवाओं से कहना चाहूँगा कि अगर आपके मन में अभिनय करने का सपना है, तो उसे पूरा करने के लिए मेहनत कीजिए। मैं खुद कई जगह रिजेक्ट हुआ और असफलताओं से गुजरा हूँ, लेकिन मैंने अपने सपने को नहीं छोड़ा। मेरी यही सलाह है कि रिजेक्शन को अपनी मंजिल का अंत न समझें। अपनी प्रतिभा को निखारें, सीखते रहें और सही अवसर के लिए तैयार रहें। प्रश्न 30. छोटे शहरों से आने वाले कलाकारों के सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या होती है? मेरे अनुभव में कलाकारों के सामने एक बड़ी चुनौती सही अवसर हासिल करना है। मैंने खुद शुरुआत में कई जगह रिजेक्शन का सामना किया। छोटे शहरों और गाँवों से आने वाले युवाओं के लिए जरूरी है कि वे अपने हुनर पर काम करें और हिम्मत बनाए रखें। अवसर मिलने में समय लग सकता है, लेकिन मेहनत, धैर्य और लगातार सीखना बहुत जरूरी है। प्रश्न 31. क्या आप भविष्य में प्रयागराज में फिल्म या वेब सीरीज की शूटिंग और स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर देने की दिशा में काम करना चाहेंगे? हाँ, भविष्य में अगर मुझे अवसर और संसाधन मिलते हैं, तो मैं प्रयागराज में फिल्म या वेब सीरीज की शूटिंग और स्थानीय कलाकारों को अवसर देने की दिशा में काम करना चाहूँगा। मैं जानता हूँ कि सही अवसर किसी कलाकार के जीवन में कितना महत्वपूर्ण होता है। मुझे भी प्रयागराज में कास्टिंग के दौरान एक अवसर मिला, जिसने मेरे सफर को आगे बढ़ाया। मैं चाहूँगा कि भविष्य में अन्य प्रतिभाशाली कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने के

अवसर मिलें। प्रश्न 32. आने वाले समय में आपके कौन-कौन से नए प्रोजेक्ट दर्शकों को देखने को मिल सकते हैं? फिलहाल मेरा लक्ष्य अभिनय की दुनिया में आगे बढ़ना और अच्छे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना है। और नेटफ्लिक्स जैसे बड़े प्लेटफॉर्म पे मेरे कुछ प्रोजेक्ट आने वाले हैं प्रोजेक्ट्स के बारे में आधिकारिक जानकारी उपलब्ध होने पर मैं दर्शकों के साथ जरूर साझा करना चाहूँगा। प्रश्न 33. अगले पाँच वर्षों में आप खुद को अभिनय की दुनिया में कहाँ देखते हैं? अगले पाँच वर्षों में मैं खुद को फिल्मी दुनिया में एक मजबूत पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ते हुए देखना चाहता हूँ। मेरा सपना है कि मैं अच्छे प्रोजेक्ट्स में काम करूँ, अलग-अलग किरदार निभाऊँ और अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीऊँ। मैं अपने परिवार का नाम रोशन करना चाहता हूँ और अपने देश के प्रति भी गर्व का कारण बनना चाहता हूँ। मैं जानता हूँ कि इसके लिए मुझे निरंतर मेहनत और लगन की जरूरत होगी। प्रश्न 34. अंत में, अपने प्रशंसकों और प्रयागराज के पाठकों के लिए कोई खास संदेश देना चाहेंगे? मैं सभी पाठकों, दर्शकों और उन युवाओं को यही संदेश देना चाहूँगा कि अपने सपनों को कभी छोटा मत समझिए। मेरा जन्म मिर्जापुर जिले के एक छोटे से गाँव गलरीया में हुआ और बचपन से फिल्मी दुनिया में जाने का सपना देखा। शुरुआत में कई जगह असफलता मिली, लेकिन मैंने प्रयास करना जारी रखा। आज मुझे एक अच्छे प्रोजेक्ट पर काम करने का अवसर मिला है। मैं आगे भी मेहनत करता रहूँगा, ताकि अपने परिवार, अपने देश और अपने शुभचिंतकों का नाम रोशन कर सकूँ।आधुनिक समाचार के लिए विशेष समापन प्रश्न-प्रश्न 35. ठाकुर रतन सिंह जी, अगर आपको अपनी जिंदगी की कहानी पर एक फिल्म बनाने का मौका मिले, तो उसका नाम क्या रखेंगे और आप चाहेंगे कि फिल्म का अवसर मिले, तो मैं उसका नाम 'गाँव गलरीया से फिल्मी दुनिया तक' रखना चाहूँगा। यह नाम मेरे जन्मस्थान से लेकर अपने बचपन के सपने को पूरा करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को दर्शाएगा। मैं चाहूँगा कि दर्शक इससे यह सीख लें कि इंसान चाहे किसी छोटे से गाँव से क्यों न आता हो, वह मेहनत और लगन से अपने सपनों की दिशा में आगे बढ़ सकता है। शुरुआत में असफलताएँ मिल सकती हैं, कई जगह रिजेक्शन हो सकता है, लेकिन हमें अपने लक्ष्य के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। मेरा सपना है कि मैं फिल्मी दुनिया में आगे बढ़ूँ, अपने परिवार का नाम रोशन करूँ और अपने देश का गाँव बढ़ाऊँ। और मैं आधुनिक समाचार को भी धन्यवाद देना चाहूँगा कि आप के अखबार के माध्यम से मेरी स्ट्रगल और मेरी कामयाबी आप लोगों के घर तक पहुँचाए हैं इसके लिए आप को तहे दिल से धन्यवाद।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41युपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.नं.09415608710
RNINO.UPHIN/201653398
www.uphinikaamachar.com
नोट:- इस समाचार पत्र में
प्रकाशित सम्पत्त समाचारों के
चयन एवं सम्पादन हेतु
पी0आरबी0 एक्ट के अन्तर्गत
उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न
सम्पत्त विवाद इलाहाबाद
न्यायालय के अधीन ही होगा।